सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023
www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 348, नई दिल्ली । सोमवार, 24 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं।

03 सी एम रेखा गुप्ता प्रथम धर्मतीर्थ प्रवर्तन में शामिल होंगी
06 अल्पावधि पाठ्यक्रमों में उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें
08 भारत ने पाकिस्तान से लिया 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हार का बदला

दिल्ली परिवहन आयुक्त जनता के स्थान पर वाहन डीलरो के हितैषी फिर भी दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल आखिर चुप क्यों ?

दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा पंजीकृत नए वाहन एवं जारी हो रहे ई रिक्शा चालक लाइसेंस, जनता की सुरक्षा के खिलाफ।

संजय बाटला

नई दिल्ली।दिल्ली परिवहन विभाग वाहन पंजीकरण के प्रति अनिवार्य स्वयं द्वारा जारी स्टेट अप्रूवल को दरकिनार करके वाहन निर्माताओं और डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से वाहनों का कर रहे हैं पंजीकरण जिससे सड़को पर दुर्घटनाओं के आसार सदैव बना रहेगा।

1. किसी भी वाहन को भारत की सड़को पर चलने से पहले वाहन को वाहन जांच एजेंसी से जांच टेस्ट पास सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होता हैं और उसी जांच प्रमाण पत्र के आधार पर राज्य परिवहन विभाग उस वाहन को अपने राज्य में पंजीकरण की इजाजत के लिए स्टेट अप्रूवल प्रमाण पत्र जारी करते हैं और उसी के अनुसार पंजीकरण करने वाली शाखाएं वाहन पंजीकृत करते हैं **लेकिन देखने में आया है की दिल्ली में वाहन डीलर जो वाहन पंजीकृत करवा रहे हैं और बेच रहे हैं वह वाहन जांच एजेंसी द्वारा उन्हें जारी प्रमाण पत्र और दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी स्टेट अप्रूवल के अनुसार नहीं हैं** पर फिर भी पंजीकृत हो कर सड़को पर दौड़ रहे हैं।

2. देखने में आया है की दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा वाहन डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से **दिल्ली में जनता के लिए उपलब्ध ऑनलाइन जंपिंग/चॉइस नंबर के लिए दो तरह का ऐप बनाया हुआ है** जिससे जनता को आनलाइन प्रक्रिया से नंबर प्राप्त करना संभव नहीं होता पर वही नंबर वाहन डीलर उपलब्ध करवा देता है और अपनी इच्छा से रकम वसूल रहे है, कितना जनहित और जनप्रिय हैं ना परिवहन विभाग का फैसला ?

3. ई रिक्शा डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से रिक्शा चालक को रिक्शा बेचने के लिए अनिवार्य रिक्शा चालक लाइसेंस उपलब्ध करवाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस को जारी करते समय जो नियम के तहत ट्रैनिंग सर्टिफिकेट अनिवार्य है उसे आनलाइन अपलोड करवाने की जगह मैनुअल रुप से ले रहे हैं जिसके कारण **ड्राइवर के ट्रैनिंग सर्टिफिकेट की सत्यता पर सवाल बनता है और जनता की सुरक्षा से खिड़वाड़**

अब सवाल यह उठता है की परिवहन आयुक्त जनता की जगह डीलरो के हितैषी फिर भी दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल है चुप। आख़िर क्यों ?

दिल्ली मेट्रो ने अपना ही पिछला रिकॉर्ड कर दिया ध्वस्त, बनाया ये कीर्तिमान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नई दिल्ली मेट्रो ने इतिहास रच दिया है. दिल्ली की लाइफ-लाइन रोजाना हजारों-लाखों लोगों को उनके मंजिल तक ले जाती है. हर रोज कोई ना कोई कीर्तिमान रचती है. अब अगर पूरे देश की मेट्रो की बात करें तो दिल्ली के मेट्रो का कोई जवाब नहीं है. दिल्ली मेट्रो न केवल देश की राजधानी को हर कोने से जोड़ रही है. इसकी लंबाई तकरीबन 400 किलोमीटर है, जो पूरे देश के मेट्रो से कहीं ना कहीं ज्यादा है. अब दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एक और नया इतिहास रचा है. हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास अब तक का सबसे ऊंचा प्वाइंट का निर्माण पूरा हो चुका है. जी हां, एक ऐसा प्वाइंट है, जहां से दिल्ली की तकरीबन सारी लाइन की ट्रेन मिल जाएंगी. मेट्रो ने फेज-IV के विस्तार के तहत मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन (जनकपुरी पश्चिम से आर.के. आश्रम मार्ग) कॉरिडोर में इंजीनियरिंग क्षेत्र की एक नई उपलब्धि हासिल की है.

आउटर रिंग रोड के पास 490 मी. लंबा सेक्शन येलो लाइन (समयपुर बादली -मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम) के हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के खंबा नंबर 340

पर 28.362 मी. ऊंचा प्लेटफॉर्म बनाया गया है. यह डीएमआरसी नेटवर्क का सबसे ऊंचा प्वाइंट बन गया है. इसने पिंक लाइन के धौला कुआं पर बने 23.6 मी. ऊंचाई के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस एलिवेटेड प्लेटफॉर्म की एक और खासियत यह है कि यहां पर 6 इंटरचेंज स्टेशन होंगे-

पीरागढ़ी (ग्रीन लाइन के साथ)

मधुबन चौक (रेड लाइन के साथ)

हैदरपुर बादली मोड़ (येलो लाइन के साथ)

मजलिस पार्क (पिंक लाइन के साथ)

आजादपुर (येलो और पिंक लाइन के साथ)

आर के आश्रम मार्ग (ब्लू लाइन के साथ)

काफी चुनौती वाला काम

इसका निर्माण काफी चुनौती पूर्ण रहा था जैसे कि स्ट्रक्चर को मजबूती से बनाना, खंबों की ढलाई और पूर्व-निर्मित कॉम्पोनेंट को स्थापित करने के लिए सावधानी की जरूरी थी. इस परियोजना के एक महत्वपूर्ण कार्य के रूप में मौजूदा परिचालित येलो लाइन के ऊपर स्टील स्पैन का निर्माण किया जाना था. सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ निर्माण कार्यों में व्यवधान न पड़े. इसके लिए इंजीनियरों ने स्टेप-वाय-स्टेप तरीके से कार्य को पूरा किया. खंबों का निर्माण तीन चरणों में किया गया, जिसमें कामगारों की सुरक्षा और कार्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए थे. चूंकि स्थान सीमित था, इसलिए पारंपरिक ज़मीनी सपोर्ट के बजाय मैकॉले बार्स (Macalloy Bars) का उपयोग किया गया.

दूसरा सबसे ऊंचा एलिवेटेड स्ट्रेच भी पूरा

डीएमआरसी ने हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास रेलवे क्रॉसिंग पर 52.288 मी. लंबे स्टील स्पैन का भी निर्माण पूरा कर लिया है. एलिवेटेड स्ट्रेच 27.610 मीटर ऊंचा है. दिल्ली मेट्रो में इस दूसरे सबसे ऊंचे एलिवेटेड स्ट्रेच की मेट्रो वायडक्ट और चालू रेलवे ट्रैक के बीच स्थान की कमी के कारण जरूरी था. यह दो भारी-भरकम क्रेनों की मदद से बनाया गया है।

दिल्ली में ट्रांसपोर्ट की स्थिति होगी और मजबूत....

11 हजार नई बसें सहित कई योजनाओं पर बोले मंत्री पंकज सिंह

दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने सरकार बनने के 2 दिन बाद ही बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने ना सिर्फ दिल्ली में महिलाओं की फ्री बस सेवा जारी रखने का आदेश दिया है, बल्कि 11 हजार नई इलेक्ट्रिक बसें लाने की भी बात कही है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में जब से भाजपा की सरकार बनी है, हर दिन दिल्ली वालों के लिए कुछ न कुछ खुशखबरी आ रही है। दिल्ली की नई सीएम रेखा गुप्ता समेत सभी 7 कैबिनेट मंत्री एक्शन मोड में दिख रहे हैं। यमुना की सफाई से लेकर राजधानी में जारी अन्य प्रोजेक्ट को लेकर भी मंत्री एक्टिव दिख रहे हैं। इस बीच दिल्ली कैबिनेट के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बड़ा ऐलान कर दिया है। यह जनता के लिए बड़ा तोहफा होने वाला है।

डेढ़ साल में लाई जाएंगी 11 हजार बसें- पंकज सिंह

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंकज सिंह ने मीडिया से बात करते हुए दिल्ली में ट्रांसपोर्ट की स्थिति और मजबूत करने की बात कही है। पहले से लोगों को यह डर सता रहा था कि अगर भाजपा की सरकार आएगी तो दिल्ली में महिलाओं को मिलने वाली फ्री बस सेवा बंद हो जाएगी, लेकिन पंकज सिंह ने कहा कि यह योजना सुचारू रूप से चलती रहेगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में अगले डेढ़ साल के भीतर 11 हजार इलेक्ट्रिक बसें चलाने वाले हैं।

50 फीसदी सीएनजी बसों को हटाया गया

पंकज सिंह ने बताया वर्तमान में दिल्ली में 1,500 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। हम अगले डेढ़ साल में 11 हजार बसें और लेकर आएंगे, इसके अलावा सीएनजी बसों के बेड़े से 50 प्रतिशत को बसों को हटा दिया गया है। बता दें कि दिल्ली की पूर्व सरकार आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों को चलाने पर खूब जोर दिया था। यही कारण है कि दिल्ली में सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बसें चल रही है।

दिल्ली में सबसे अधिक इलेक्ट्रिक वाहन

दिल्ली सरकार ने सिर्फ इलेक्ट्रिक बसों पर ही ध्यान नहीं दिया है, बल्कि प्रदूषण से निपटने के लिए लोगों को भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के सुझाव दिए हैं और इसमें कई प्रकार की योजना भी लेकर आई है। इसलिए दिल्ली में सबसे अधिक ई-व्हीकल का रजिस्टर हो रहा है, यह भी देश में सबसे अधिक है। इससे साफ है कि सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि दिल्ली की आम जनता भी इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल कर रही है।

दिल्ली लोक निर्माण मंत्री ने दिए सख्त आदेश, अब होगा दिल्ली की सड़कों का कायाकल्प

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार में लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसके लिए पहल शुरू कर दी है। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को सड़कों के रखरखाव के साथ-साथ उनकी साफ-सफाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के साथ-साथ सड़कों पर साफ-सफाई और हरियाली भी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान मंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर जोर दिया।

नई दिल्ली। आने वाले समय में दिल्ली में सड़कों के मामले में बड़ा बदलाव होने की उम्मीद है। दिल्ली सरकार में लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसके लिए पहल शुरू कर दी है। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को सड़कों के रखरखाव के साथ-साथ उनकी साफ-सफाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के साथ-साथ सड़कों पर साफ-सफाई और हरियाली भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि वे अनावश्यक काम बंद करें और विकास कार्य इस तरह से करें कि जनता को सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

सड़कें ऐसा बनें कि 10 से 15 साल टिकें

इस दौरान मंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़कें ऐसी बनाई जाएं कि वे 10-15 साल तक चलें। उन्होंने कहा कि भले ही इसकी सरकारी आयु पांच साल हो, लेकिन इसकी गुणवत्ता इतनी अच्छी होनी चाहिए कि यह कम से कम 10-15 साल तक चले।

उन्होंने कहा कि अभी देखा जा रहा है कि सड़कें एक-दो साल में खराब हो जाती थीं, कोई जवाबदेह नहीं होता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, जवाबदेही तय होगी और सड़कें भी टिकेंगी। किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

सड़कों को लेकर विभागों में बनेगा समन्वय

सरकार के सभी विभागों में समन्वय भी बनाया जाएगा, नोडल अधिकारी बनाने की योजना है कि जिससे सड़कें बनाने के बाद उन्हें बार बार खोद दिए जाने से बचाया जा सके। मंत्री वर्मा ने साफ किया है कि सड़कों के निर्माण के मामले में विभागों में सामान्य भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि होता यह है कि सड़क बनने के बाद एक या दो महीने बाद दूसरा विभाग आ जाता है और सड़क को फिर से खोद दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी सड़क बने तो पहले दूसरे विभागों को भी इस बारे में अवगत कराया जाए की आपात स्थिति के अलावा सड़क को खोजने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

Post

Parvesh Sahib Singh
@p_sahibsingh

दिल्ली के बारापूला फेज-3 सराय काले खां से मयूर विहार तक ब्रिज निर्माण कार्य, वित्तीय व अन्य समस्याओं के कारण रुका हुआ था। आज PWD अधिकारियों और निर्माण कार्य देख रही L&T के अधिकारियों के साथ निरिक्षण कर पूरी जानकारी ली और उन्हें निर्माण कार्य को जल्द पूरे करने के दिशा निर्देश दिये।

हर कोने में बुनियादी सुविधाएं बेहतर हों और हमारा संकल्प है कि जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े, क्षेत्र का निरंतर विकास हो। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी का नेतृत्व केवल सपने नहीं दिखाता, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलने का कार्य भी करता है। हम आपके सहयोग से क्षेत्र के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध हैं। जनकल्याण के ये कार्य नागरिकों को सुगम यातायात व स्वच्छ परिवेश प्रदान करेंगे।

Translate post

उतराभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक(इंजी.)

नक्षत्र मंडल में उत्तरभाद्र दो तारों वाला नक्षत्र है।

प्राचीन विद्वानों ने उत्तर भाद्रपद नक्षत्र के दोनो तारो को पलंग के पीछे के दो पैर माना है। उत्तर भाद्रपद का अर्थ है पीछे के शुभ पांव वाला या बाद में सफलता प्राप्त करने वाला। इस नक्षत्र का नक्षत्रपति शनि ग्रह तथा अधिपति देवता अतिर्बुधनय को माना गया है। इस नक्षत्र का संबंध पश्चिम व उत्तर दिशा को जोड़ने वाली चाप माना गया है।

स्वभाव: उतरभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे जातक धीर, वीर, गंभीर, मर्यादा का पालन करने वाला, शांत, संयमी, विशाल देह तथा चौड़े कंधे वाला

चिंतनशील व्यक्ति होते है। आचार्य वराहमिहिर के अनुसार इस नक्षत्र के जन्मा जातक गुणी, धनी, मानी, भाग्यशाली, विश्लेषण प्रिय तथा प्रसन्नचित होता है।

कैरियर: उत्तरभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे लोग योग गुरु, चिकित्सक, सलाहकार, अन्वेषक, लेखक, संगीतज्ञ, तपस्वी, योगी, प्रबंधन, द्वारपाल सुरक्षाकर्मी, पुरातत्वेता, दुकान, व्यापारी, कलाकार, अंकशास्त्र आदि के क्षेत्र में अपना कैरियर बना कर सफलता प्राप्त करता है।

रोग: उतर भाद्रपद नक्षत्र के जन्मे लोगो को डायरिया, हर्निया, जोड़ो में दर्द या सूजन की समस्या, पेट से संबंधित रोग होते है।

उपाय: उतर भाद्रपद नक्षत्र के जन्मे जातक को जीवन में कष्टों से मुक्ति हेतु ॐ शं बीज मंत्र का जाप करना चाहिए तथा भगवान विष्णु की उपासना और एकादशी का व्रत करना इनके लिए लाभकारी होता है। पीले तथा नीले रंग का उपयोग इनके लिए भाग्यशाली सिद्ध होता है।

ईश्वर एक शक्ति (पावर) है

ईश्वर का ना तो कोई नाम है और ना ही कोई रूप। जिसने जो नाम रख लिया वही ठीक है। ईश्वर को प्राप्त करने के लिए गृहस्थी त्याग कर जंगल में भटकने की आवश्यकता नहीं होती वह घर में रहने पर भी प्राप्त हो सकता है। तुमने कभी ईश्वर को देखा नहीं होगा इसलिए उसे प्राप्त करने के लिए पहले उससे मिलो जिसने इश्वर देखा है। वही तुम्हे इश्वर का दर्शन करा सकता है। अपने जीवन में आतंरिक प्रसन्नता लाओ। यह ही ईश्वरीय गुण है। ज्ञान में शांति है, वह तुम्हे बाहर से नहीं मिलेगी। ज्ञान आंतरिक है उसके लिए आंतरिक साधन करने होंगे।

अधिक समय तुम संसार के कामों में लगाओ, थोडा समय इधर दो, लेकिन इतने समय के लिए तुम संसार को भूल जाओ।

दो काम साधक के लिए बहुत ही आवश्यक है एक तो अपने परिश्रम से भोजन कमाना और दूसरा अपने मन को हर समय काम में लगाये रखना।

ज्ञान अनंत है यदि एक गुरु उसे पूरा न कर सके तो दूसरे गुरु से प्राप्त करना चाहिए परन्तु पूर्ण आत्म ज्ञानी गुरु मिल जाने पर दूसरा गुरु नहीं करना चाहिए।

दुनिया के सारे काम करो लेकिन सेवक बनकर, मालिक बनकर नहीं। संसार में मेहमान बन कर रहो। यहाँ की हर वस्तु किसी और की समझो। मैं और मेरा छोड़कर तू और तेरा का पाठ सीखो।

किसी अमृत से कम नहीं देसी गौमूत्र

गाय के गोबर और मूत्र को आदर से देखा जाता है। आयुर्वेद में गौमूत्र के प्रयोग से दवाइयां भी तैयार की जाती हैं।

1. गौमूत्र का नाम सुनकर कई लोगों की नाक-भौं सिकुड़ जाती हैं, लेकिन वह यह नहीं जानते की गौमूत्र के नियमित सेवन से बडे-बडे.रोग दूर हो जाते हैं।

2. गाय का मूत्र स्वाद में गरम, कसैला और कड़क लगता है, जो कि विष नाशक, जीवाणु नाशक, शक्ती से भरा और जल्द ही पचने वाला होता है।

3. इसमें नाइट्रोजन, कॉपर, फॉस्फेट, यूरिक एसिड, पोटैशियम, यूरिक एसिड, क्लोराइड और सोडियम पाया जाता है।

4. औषधि के समान है गाय का घी और गौमूत्र से लगभग 108 रोग ठीक होते हैं।

1. गर्भवती गाय का मूत्र सबसे अच्छा होता है क्योंकि उसमें विशेष हार्मोन और खनिज पाया जाता है।

2. गौमूत्र दर्दनिवारक, पेट के रोग, चर्म रोग, श्वास रोग, आंत्रशोथ, पीलिया, मुख रोग, नेत्र रोग, अतिसार, मूत्राघात, कृमिरोग आदि के उपचार के लिये प्रयोग किया जाता है।

3. गौमूत्र के प्रयोग से बडे-बडे.रोग जैसे, दिल की बीमारी, मधुमेह, कैंसर, टीबी, मिर्गी, एड्स और माइग्रेन आदि को भी ठीक किया जा सकता है।

गाय से प्राप्त दूध, दही, मठ्ठा आदि सेवन करने के साथ साथ गौमूत्र का भी सेवन कर के देखिये और अनेक लाभों का आनंद उठाइये।

कान में तेल डालने के फायदे

1. आयुर्वेद में 3 ऐसे अंग बताए हैं, जिनमें रोज़ाना तेल लगाना जरूरी है, उनमें कान भी शामिल है। यदि आप रोजाना कान में तेल डालते हैं तो कान अपना प्राकृत कर्म करते रहते हैं और उम्र बढ़ने के बाद भी कम सुनाई देने की शिकायत नहीं होती है।

2. जिन लोगों को सिर में दर्द की शिकायत रहती हो, गर्दन में दर्द या जकड़न रहती हो, ऐसे लोगों को कान में तेल डालना फायदेमंद रहता है।

3. जो लोगों टिनाइट्स से परेशान रहते हैं यानी कान में सीटी की सी आवाज आती रहती है ऐसे लोगों के लिए कान में तेल डालना विशेष रूप से अच्छा है।

4. जिन लोगों के कान में कोई इन्फेक्शन हो या कान में से कोई श्राव आता हो या कान बहता हो, या कान के पर्दे में छेद हो ऐसे लोगों को कान में तेल नहीं डालना चाहिए। ऐसे लोगों को कान में तेल डालने से नुकसान हो सकता है।

गृह प्रवेश

किसी नए घर में पहली बार प्रवेश करने का हिंदू समारोह है। इस समारोह में पूजा-अर्चना की जाती है और शुभ मुहूर्त में प्रवेश किया जाता है।

गृह प्रवेश से जुड़ी कुछ खास बातें

1. गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त, तिथि, दिन, और नक्षत्र का ध्यान रखना चाहिए।

2. गृह प्रवेश के दिन सुबह का समय शुभ माना जाता है।

3. गृह प्रवेश के दिन घर के मुख्य द्वार पर अशोक के पत्तों का तोरण लगाना चाहिए।

4. गृह प्रवेश के दिन रसोई में सबसे पहले दूध का प्रसाद बनाकर घर के सभी सदस्यों में बांटना चाहिए।

5. गृह प्रवेश के दिन घर के अंदर सबसे पहले अपना दाहिना पैर रखना चाहिए।

6. गृह प्रवेश के दिन भगवान गणेश, भगवान विष्णु, और लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है।

7. गृह प्रवेश के दिन वास्तु शांति का हवन कराया जाता है।

8. गृह प्रवेश के दिन घर को सुंदर तरीके से सजाना चाहिए।

9. गृह प्रवेश के दिन घर के दरवाज़े पर नारियल तोड़ना चाहिए.

गृह प्रवेश से जुड़े कुछ और नियमः गृह प्रवेश के दिन रात में सोना नहीं चाहिए। गृह प्रवेश के बाद 40 दिनों तक घर को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए।

राम की महिमा

"राम" शब्द में दो अर्थ व्यंजित हैं। सुखद होना और ठहर जाना जैसे अपने मार्ग से भटका हुआ कोई क्लांत पथिक किसी सुरम्य स्थान को देखकर ठहर जाता है। हमने सुखद ठहराव का अर्थ देने वाले जितने भी शब्द गढ़े, सभी में ₹राम₹ अंतर्निहित है, यथा आराम, विराम, विश्राम, अभिराम, उपराम, ग्राम

जो रमने के लिए विवश कर दे, वह "राम"

जीवन की आपाधापी में पड़ा अशांत मन, जिस आनंददायक गंतव्य की सतत तलाश में है, वह गंतव्य है ₹राम₹

भारतीय मन हर स्थिति में ₹राम₹को साक्षी बनाने का आदी है।

दुःख में
"हे राम"
पीड़ा में
"अरे राम"
लज्जा में
"हाय राम"
अशुभ में
"अरे राम राम"
अभिवादन में
"₹राम राम"
शपथ में
"राम दुहाई"
अज्ञानता में
"राम जाने"
अनिश्चितता में
"राम भरोसे"
अचूकता के लिए "रामबाण"
मृत्यु के लिए
"रामनाम सत्य"
सुशासन के लिए "रामराज्य"

जैसी अभिव्यक्तियां पग-पग पर "राम" को साथ खड़ा करतीं हैं। "राम" भी इतने सरल हैं कि हर जगह खड़े हो जाते हैं।

हर भारतीय उन पर अपना अधिकार मानता है।

जिसका कोई नहीं उसके लिए "राम" हैं- "निर्बल के बल राम"।

असंख्य बार देखी, सुनी, पढ़ी जा चुकी "रामकथा" का आकर्षण कभी नहीं खोता।

"राम" पुनर्नवा हैं।हमारे भीतर जो कुछ भी अच्छा है, वह "राम" है।जो "शाश्वत" है, वह "राम"हैं।सब-कुछ लुट जाने के बाद जो बचा रह जाता है, वही तो ₹राम₹ है।घोर निराशा के बीच जो उठ खड़ा होता है, वह भी "राम" ही है..!!

जय श्री राम

विजया एकादशी व्रत

हिंदू धर्म में विजया एकादशी का विशेष महत्व है। इस पावन तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। क्योंकि यह दिन जगत पालनहार विष्णु जी को समर्पित है। इसलिए विजया एकादशी हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण व्रतों में से एक है। यह व्रत फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

विजया एकादशी का महत्व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजया एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में विजय की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने भी लंका पर विजय प्राप्त करने से पूर्व इस व्रत का पालन किया था। इस व्रत के प्रभाव से शत्रुओं पर विजय, पापों का नाश और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

तिथि और शुभ मुहूर्त हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी तिथि कहते हैं। इसबार विजया एकादशी की शुरुआत 23 फरवरी 2025 को दोपहर के 01 बजकर 55 मिनट पर शुरु होगी। वहीं अगले दिन 24 फरवरी दिन सोमवार को शाम के 01 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए 24 फरवरी सोमवार को विजया एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

व्रत पूजा विधि व्रत के दिन प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें और व्रत का संकल्प लें। घर के पूजा स्थान में भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। भगवान विष्णु को पीले फूल, तुलसी दल, धूप, दीप, फल, मिष्ठान आदि अर्पित करें। भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। जैसे ॐ नमो भगवते वासुदेवाय। विजया एकादशी की कथा का श्रवण या पाठ करें। भगवान विष्णु की आरती करें और प्रसाद वितरण करें। संभव हो तो रात्रि में जागरण करते हुए भगवान का स्मरण करें।

व्रत के नियम व्रत के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें। तामसिक भोजन, जैसे लहसुन, प्याज, मांसाहार आदि का सेवन न करें। झूठ, चोरी, हिंसा आदि से दूर रहें। व्रत के दिन चावल का सेवन वर्जित माना गया है।

विजया एकादशी का व्रत श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सफलता, समृद्धि और शांति का वास होता है।

कविता साहित्यिक रचना के साथ एक कलात्मक और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी है।

कविता में लिखना एक अद्भुत अनुभव होता है! कविता एक ऐसी अभिव्यक्ति है जो आपको अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को एक सुंदर और रचनात्मक तरीके से व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है।

कविता में लिखने से आप अपने अंदर की भावनाओं को समझने और व्यक्त करने का मौका पाते हैं। यह आपको अपने विचारों को संगठित करने और उन्हें एक सुंदर और अर्थपूर्ण तरीके से प्रस्तुत करने में मदद करता है।

कविता में लिखने के दौरान, आप अपनी कल्पना को खुलकर व्यक्त कर सकते हैं और अपने शब्दों को एक सुंदर और अनोखे तरीके से पिरो सकते हैं। यह आपको अपनी रचनात्मकता को बढ़ावा देने और अपने विचारों को एक नए और अनोखे तरीके से व्यक्त करने में मदद करता है।

कुल मिलाकर, कविता में लिखना एक अद्भुत अनुभव होता है।

कविता एक साहित्यिक रचना है जो शब्दों के माध्यम से भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करती है। कविता में शब्दों का चयन, उनका क्रम और उनका अर्थ विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। कविता का उद्देश्य पाठक या श्रोता को भावनात्मक और बौद्धिक रूप से प्रभावित करना होता है।

वर्तमान परिवेश में कविता का बदलता स्वरूप।

वर्तमान परिवेश में कविता का रूप बदल रहा है। कविता अब केवल पारंपरिक रूप में नहीं लिखी जा रही है, बल्कि यह नए और अनोखे रूपों में भी विकसित हो रही है। कुछ बदलाव जो कविता में देखे जा सकते हैं।

नई विषय-वस्तु, कविता में अब नए और विविध विषयों को शामिल किया जा रहा है, जैसे कि पर्यावरण, सामाजिक न्याय, और व्यक्तिगत स्वतंत्रता।

नए रूप और शैलियाँ, कविता में अब नए रूप और शैलियों का प्रयोग किया जा रहा है, जैसे कि फ्री वर्स, स्पोकन वर्ड, और डिजिटल कविता।

नए माध्यम, कविता अब केवल पुस्तकों और पत्रिकाओं में नहीं प्रकाशित हो रही है, बल्कि यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, और डिजिटल माध्यमों पर भी प्रकाशित हो रही है।

कविता का नया रूप विविध और गतिशील है। यह नए विषयों, रूपों और शैलियों को शामिल करता है, और नए माध्यमों पर प्रकाशित होता है। कविता अब केवल एक साहित्यिक रचना नहीं है, बल्कि यह एक कलात्मक और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी है।

फ्री वर्स, स्पोकन वर्ड और वर्ड स्पोकन वर्ड कविता के नए और अनोखे रूप हैं जो कविता की पारंपरिक शैलियों से अलग हैं। इन रूपों का अर्थ निम्नलिखित है,

फ्री वर्स (Free Verse)
फ्री वर्स कविता का एक रूप है जिसमें कवि को किसी भी पारंपरिक शैली या नियमों का पालन नहीं करना पड़ता है। इसमें कवि अपने विचारों और भावनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकता है। फ्री वर्स कविता में अक्सर छंद, लय और शब्दों का चयन कवि की पसंद पर निर्भर करता है।

स्पोकन वर्ड (Spoken Word)
स्पोकन वर्ड कविता का एक रूप है जिसमें कविता को मौखिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है। इसमें कवि अपनी कविता को स्वयं पढ़ता है और अक्सर इसमें अभिनय, संगीत और अन्य कलात्मक तत्वों का समावेश होता है। स्पोकन वर्ड कविता में कवि की आवाज़, शैली और प्रस्तुति का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

वर्ड स्पोकन वर्ड (Word Spoken Word)
वर्ड स्पोकन वर्ड कविता का एक रूप है जिसमें कविता को मौखिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसमें कविता के शब्दों को विशेष रूप से चुना जाता है ताकि वे सुनने में अच्छे लगें। इसमें कवि अपनी कविता को स्वयं पढ़ता है और अक्सर इसमें अभिनय, संगीत और अन्य कलात्मक तत्वों का समावेश होता है। वर्ड स्पोकन वर्ड कविता में कवि की आवाज़, शैली और प्रस्तुति का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
सहज हरदा मध्य प्रदेश

मनुष्य का विकल्प नहीं हो सकती है एआई !

आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जमाना है।सच तो यह है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) दुनिया भर के उद्योगों और अनेक समाजों में आज तेजी से क्रांति ला रही है, तथा आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में चल रही तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एक जानकारी के अनुसार भारत और संयुक्त अरब अमीरात में 90% से अधिक उपभोक्ता चैटजीपीटी से परिचित हैं, जबकि चीन और सऊदी अरब में जागरूकता का स्तर 80% से अधिक है। इस क्रम में हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट 2025 की सह-अध्यक्षता करने के लिये फ्राँस का दौरा किया। पेरिस एआई एक्शन समिट 2025 के मुख्य विषय क्रमशः सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के लिये खुले एआई बुनियादी ढाँचे का विकास करना, निरंतर सामाजिक संवाद के माध्यम से एआई का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना, विशेष रूप से रचनात्मक उद्योगों के लिये सततएआई पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, एआई सुरक्षा और संरक्षा पर वैज्ञानिक सहमति स्थापित करना तथा एक समावेशी और प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय एआई शासन ढाँचे को आकार देना थे।भारत ने ओपन-सोर्स और सततएआई की वकालत की, स्वच्छ ऊर्जा और कार्यबल के कौशल विकास पर ज़ोर दिया। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज ए.आई. वर्चस्व के लिए भयंकर वैश्विक लड़ाई छिड़ी हुई है। सच तो यह है कि आज दुनिया भर के देश एआई में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, तथा इसे भविष्य की आर्थिक और सैन्य ताकत की आधारशिला के रूप में पहचान रहे हैं। जानकारी के अनुसार चीन ने वर्ष 2030 तक एआई में 150 बिलियन डॉलर निवेश करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, वहीं दूसरी ओर रूस ने वर्ष 2021 और 2023 के बीच इसके लिए 181 मिलियन डालर आवंटित किए हैं।इसी क्रम में सऊदी अरब ने हाल ही में 40 बिलियन डालर के ए.आई. फंड की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार संयुक्त राज्य अमरीका ने संघीय एआई अनुबंधों में नाटकीय उछाल देखा, जो वर्ष 2022 में 355 मिलियन डालर से बढ़कर वर्ष 2023 में 4.6 बिलियन डालर हो गया।जानकारी मिलती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2030 तक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की 19.9 ट्रिलियन डॉलर की हिस्सेदारी होगी। यह आंकड़ा जहां एआई के बढ़ते प्रभाव का इशारा कर रहा है, वहीं यह आंकड़ा इस बदलते दौर में भारत के संभावित प्रभुत्व का भी संकेत देता है कि वर्तमान में दुनिया को 16 प्रतिशत एआई टैलेंट भारत ही दे रहा है। इतना ही नहीं, लगभग 75% उत्तरदाता चैटजीपीटी या अन्य एआई-संचालित सेवा का उपयोग कर रहे हैं, विशेष रूप से भारत जैसे बाजारों में, जहां चैटजीपीटी जैसे एआई उपकरणों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत सबसे अधिक 45% है। आंकड़े बताते हैं कि एआई में वैश्विक निजी निवेश 2022 में 91.9 बिलियन डॉलर है और 2025 तक 158.4 बिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि स्टैनफोर्ड की 2024 एआई इंडेक्स रिपोर्ट ने उन शीर्ष देशों की पहचान की है, जिन्होंने पिछले दशक में एआई स्टार्टअप में सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि का अनुभव किया है। इनमें क्रमशः यूएस, चीन, यूके, इजरायल, कनाडा, फ्रांस, भारत, जापान, जर्मनी और सिंगापुर शामिल हैं। आज पूरी दुनिया एआई के लाभों को देखते हुए लगातार इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही है लेकिन एआई के खतरे भी हैं। ये व्यक्तियों, संगठनों और पूरे समाज को प्रभावित कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि एआई सिस्टम की जटिलताएँ अनपेक्षित परिणाम, पूर्वाग्रह, गोपनीयता संबंधी समस्याएँ और सुरक्षा कमज़ोरियों को जन्म दे सकती हैं। एआई नैतिक(एआई निर्णयों में निष्पक्षता, जवाबदेही, पूर्वाग्रह और नैतिक दुविधाओं से संबंधित मुद्दे (जैसे, पक्षपातपूर्ण भर्ती एल्गोरिदम), सामाजिक(नौकरी का विस्थापन, गोपनीयता का हनन, तथा गलत सूचना का प्रसार, सामाजिक मानदंडों में व्यवधान), सुरक्षा(साइबर हमलों के प्रति संवेदनशीलता तथा स्वायत्त हथियारों और साइबर अपराध में एआई का दुरुपयोग), अस्तित्वगत जोखिमों(मानव बुद्धिमत्ता को पीछे छोड़ देना) आदि को जन्म दे सकती है।कई एआई मॉडल, खास तौर पर डीप लर्निंग सिस्टम, 'ब्लैक बॉक्स' की तरह काम करते हैं, जिससे उनकी आंतरिक प्रक्रियाओं की व्याख्या करना मुश्किल हो जाता है।एआई मानव की भांति पारदर्शिता नहीं बरत सकती है। एआई सिस्टम स्वास्थ्य सेवा, वित्त या आपराधिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पक्षपातपूर्ण परिणामों को जन्म दे सकती है।एआई-संचालित रोबोट और सॉफ़्टवेयर मानव श्रमिकों पर निर्भरता कम कर रहे हैं।स्वचालन से कार्यकुशलता बढ़ती है, लेकिन इससे नौकरियां खत्म होने का भी खतरा है। एआई सिस्टम पूर्वाग्रहों और भेदभाव को मजबूत कर सकते हैं, क्यों कि ये फीड डेटा आधार पर काम करते हैं।आज जैसे-जैसे एआई सिस्टम अधिक व्यापक होते जा रहे हैं, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का नुकसान और निरंतर निगरानी के परिणामस्वरूप निगरानी वाला समाज बन सकता है।एआई से सुरक्षा जोखिम और साइबर सुरक्षा खतरे भी हैं।एआई सामाजिक हेरफेर और ग़लत सूचना को जन्म दे सकती है। इतना ही नहीं एआई निर्णय लेने में जवाबदेही का अभाव भी होता है।एआई सामाजिक-आर्थिक असमानता और शक्ति असंतुलन को जन्म दे सकती है।एआई मॉडल, खास तौर पर बड़े मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए, बहुत ज़्यादा कम्प्यूटेशनल पावर की ज़रूरत होती है, जिससे ऊर्जा की खपत बहुत ज़्यादा होती है।एआई विकास का समर्थन करने वाले डेटा सेंटर ऊर्जा-गहन होते हैं, जो कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण क्षरण में योगदान करते हैं।एआई सिस्टम यह तय करते हैं कि किसे प्राथमिकता चिकित्सा देखभाल मिलेगी या अपराध की भविष्यवाणी करना निष्पक्षता और मानवीय गरिमा के बारे में सवाल उठाता है।एआई-संचालित ड्रोन और हथियारों की तैनाती विनाशकारी परिणाम दे सकती है। एआई हथियारों की दौड़ का डर बढ़ रहा है, क्योंकि देश बेहतर स्वायत्त सैन्य प्रणाली विकसित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।एआई बौद्धिक संपदा (आईपी) की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देता है। जब एआई सिस्टम मूल कार्य उत्पन्न करते हैं - जैसे संगीत, कला या सॉफ़्टवेयर - तो यह स्पष्ट नहीं होता है कि उस सामग्री के अधिकार(स्वामित्व) किसके पास हैं। इससे आईपी कानूनों में अस्पष्टता पैदा होती है और पारंपरिक स्वामित्व मॉडल बाधित होते हैं। इतना ही नहीं एआई पर निर्भरता से मानवीय कौशल का ह्रास होता है।सुपरइंटेलिजेंस के नाम से जानी जाने वाली एआई प्रणाली द्वारा मानव बुद्धि को पार करने का विचार संभावित अस्तित्वगत जोखिम पैदा करता है। यदि एआई प्रणाली मानव मूल्यों के साथ गलत तरीके से स्वायत्त लक्ष्य विकसित करती है, तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। इसके अलावा आपराधिक गतिविधि और एआई का दुरुपयोग किया जा सकता है। एआई अनपेक्षित परिणाम और सिस्टम विफलताओं को जन्म दे सकती है। अंत में यही कहूंगा कि यह ठीक है कि आज एआई हमारी दुनिया में क्रान्ति ला रहा है।एआई ने हमारे रोज़मर्रा के कामों और चुनौतियों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बदला है। मनुष्य को एआई के क्षेत्र में और आगे बढ़ने से पहले जरूरत इस बात की है कि वह इस बात को अच्छी तरह से समझे कि मशीनें हमेशा अपने यांत्रिक मस्तिष्क से काम करती हैं, जिसे मनुष्य द्वारा प्रोग्राम, डिजाइन किया जाता है। मनुष्य परिस्थिति को समझते हैं और उसके अनुसार प्रतिक्रिया करते हैं, जबकि मशीनों में समझने की क्षमता नहीं होती। सच तो यह है कि मनुष्य में भावनाएँ और संवेदनाएँ होती हैं, और वह अलग-अलग समय पर अलग-अलग भावनाएँ व्यक्त करता है। आज यदि मनुष्य, मशीन को वास्तविक इंसान समझता है तो यह वास्तव में एक प्रकार से मनुष्य का प्रकृति के साथ हस्तक्षेप ही कहलायेगा, क्यों कि मनुष्य, मशीनें बनाता है, मशीनें कभी भी मनुष्य को नहीं बनातीं हैं।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

सी एम रेखा गुप्ता प्रथम धर्मतीर्थ प्रवर्तन में शामिल होंगी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। राजधानी में प्रथम बार यमुना स्पोर्ट्स क्लब सूरजमल विहार में आयोजित हो रहे संघ शिरोमणि भाव लिंगी ज्ञान महोत्सव में दिल्ली की मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता (24 फरवरी) जैन संतों से आशीर्वाद लेने आएंगी।

आयोजन के प्रवक्ता टीनू जैन ने यह जानकारी देते हुए बताया माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को आदिनाथ ज्ञान महोत्सव जीनागम पंथ दिवस में आमंत्रित करने के लिए आयोजन समिति का एक प्रतिनिधि मंडल वरिष्ठ भाजपा नेता पंकज जैन के नेतृत्व में मिला और उन्हें इस कार्यक्रम का न्यौता दिया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि वह विधानसभा की कार्यवाही से कुछ समय निकाल कर संत महामुनि विमर्श सागर एवं मंच पर मौजूद सभी जैन संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने आने का पूर्ण प्रयास करेंगी।

आयोजन समिति से जुड़े टीनू जैन के अनुसार इस प्रतिनिधि मंडल में शामिल संजय जैन, रविन्द्र जैन, राजीव जैन, राकेश जैन ने रेखा गुप्ता का स्वागत करते हुए उन्हें कार्यक्रम का आमंत्रणपत्र भेंट किया।

आयोजन समिति का दावा है इस ज्ञान महोत्सव में अस्सी हजार से ज्यादा जैन श्रद्धालु शामिल होंगे। इस अवसर पर केशव एंड पार्टी के स्वर संगीत कार्यक्रम विमर्श रत्न और रूपेश जैन मंच पर भजनों का कार्यक्रम पेश करेंगे।

'आप' सरकार ने 10 साल में दिल्ली का बजट 30 हजार करोड़ से ढाई गुना बढ़ाकर 77 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाया है - आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली की जनता से किए तमाम वादों को पूरा करने से बचने के लिए अभी से बहाने ढूंढने में जुटी भाजपा पर आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने रविवार को करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारी खजाना खाली होने का बहाना न बनाए। जनता ने उसे जनादेश दिया है और अब वह दिल्लीवालों से किए अपने सारे वादे पूरा करे। उन्होंने कहा कि दस साल के शासन के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा को आर्थिक रूप से विकसित और एक मजबूत सरकार सौंपी है। हमने 10 साल में दिल्ली का बजट 30 हजार करोड़ से ढाई गुना बढ़ाकर 77 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचा दिया है। भाजपा शासित एक भी राज्य नहीं है, जो दस साल में अपने बजट को ढाई गुना बढ़ा दिया हो और ऋण-जीडीपी अनुपात को 50 फीसद कम किया हो।

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि मेरी यह अपेक्षा थी कि जिस दिन भाजपा की सरकार बनेगी वह सरकारी खजाना खाली होने का बहाना बनाकर अपने तथाकथित वादों और गारंटी को पूरा करने से बचेगी। भाजपा ने जो वादे दिल्लीवालों को किए, उनको पूरे नहीं करने के लिए ये लोग कोई न कोई बहाने जरूर बनाएंगे। इसलिए भाजपा की सरकार बनने से पहले और नई मुख्यमंत्री की शपथ लेने से पहले ही मैंने दिल्ली और पूरे देश के सामने दिल्ली के सरकारी खजाने के आंकड़े रख दिए थे।

उन्होंने बताया कि 2015 में जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, तब दिल्ली का कुल बजट मात्र 30 हजार करोड़ रुपए था। दिल्ली का बजट उसके अपने रिवेन्यू से आता है। हमारे अपने जीएसटी, एक्साइज कलेक्शन से आता है। दिल्ली को केंद्र सरकार से एक रुपया भी नहीं मिलता है। दस साल तक आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में एक ईमानदार और कुशल सरकार चलाई। इसके परिणाम

स्वरूप दिल्ली का जो बजट 2015 में 30 हजार करोड़ रुपए का था वह 2024-25 तक 77 हजार करोड़ रुपए का हो गया। यानी दस साल में दिल्ली का बजट 30 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 77 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया। 10 साल में दिल्ली का बजट ढाई गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है।

आतिशी ने भाजपा को चैलेंज देते हुए कहा कि वह दिल्ली के अलावा अपने द्वारा शासित 20 राज्यों में से कोई भी एक राज्य बता दें, जहां 10 साल में उनकी सरकार का बजट ढाई गुना बढ़ गया हो। देश में भाजपा की कोई ऐसी सरकार नहीं है। किसी भी सरकार का वित्तीय स्वास्थ्य उसके ऋण-जीडीपी अनुपात से मापा जाता है। यानि उस राज्य के जीडीपी के अनुपात में उस सरकार के ऊपर कितना कर्ज है? दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के ऋण-जीडीपी अनुपात को आधा कर दिया है। पिछली सरकार से हमें 6 फीसद से ज्यादा ऋण-जीडीपी अनुपात मिला था। इसे आम आदमी पार्टी की सरकार ने मात्र तीन फीसद कर दिया। हमने दिल्ली को आज देश में सबसे कम ऋण-जीडीपी अनुपात पर लाकर खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि 2022 की कैग रिपोर्ट में यह स्पष्ट लिखा है कि दिल्ली सरकार देश की एकमात्र ऐसी सरकार है जो 2015 से लेकर आजतक मुनाफे में चल रही है। देश में कोई और ऐसी सरकार नहीं है। आम आदमी पार्टी ने अपने 10 साल के शासन के बाद भाजपा को एक आर्थिक रूप से विकसित और मजबूत सरकार सौंपी है। मेरा भाजपा से निवेदन है कि दिल्ली की जनता ने बहुत भरोसा करके उसे जनादेश दिया है। भाजपा बहाने न बनाएं, दिल्ली की लोगों ने उसपर जो भरोसा दिखाया है, वह उन वादों को पूरा करे।

सहयोग संस्था, समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण का एक प्रमुख स्त्रोत है: तारिक अनवर

सहयोग अर्बन थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी का वार्षिक कार्यक्रम हुआ आयोजित

शम्स आगाज, नई दिल्ली। आपसी सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री और कटिहार से लोकसभा सदस्य, तारिक अनवर ने कहा कि सहकारी बैंक या सहयोग सहकारी समिति लोगों के लिए व्यापार या व्यक्तिगत समर्थन का एक बड़ा स्रोत है और यह कई छोटे उद्यमियों के जीवन में सुधार करता है.एक वर्ष में सहयोग के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सहयोग द्वारा किए गए निर्माण कार्यों से समाज के कमजोर वर्गों को बहुत लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि सहयोग ने एक वर्ष के भीतर कई कमजोर वर्गों को ब्याज मुक्त ऋण दिए हैं, जिससे इन छोटे व्यवसायियों का जीवन आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना सामाजिक दायित्व है और सहयोग इस काम को अच्छी तरह से कर रहा है। देश के लोगों की आर्थिक कमजोरी पर प्रकाश डालते हुए श्री तारिक ने कहा कि लोगों की आर्थिक कमजोरी ऐसी है कि आज भी यहां के 80 करोड़ लोग मुफ्त खाद्यान्न पर निर्भर हैं। लोगों को आत्मनिर्भर बनने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें हर चीज के लिए सरकार पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और हमें कुछ काम भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए सहयोग एक बड़ा साधन है।

इस अवसर पर मेडिकेंट अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और कैंसर विशेषज्ञ डॉ. माजिद अहमद टालीकोटी ने सहयोग के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह कतरा कतरा दरया बन जाता है, उसी तरह, छोटे छोटे पैसे मिलकर उद्यमियों की मदद करते हैं और उद्यमियों को व्यवसाय के लिए ऋण दिया जाता है। जिससे वह अपने जीवन की गाड़ी खीच लेते हैं। आपसी सहयोग के माध्यम से लोगों की मदद की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सहयोग इस बात का एक उदाहरण है कि कैसे लोगों को छोटी राशि एकत्र करके बिना किसी ब्याज के ऋण दिए जाते हैं।

आल इंडिया मुस्लिम मजलिस-ए-मुशावरत (पंजीकृत) के अध्यक्ष और प्रख्यात विद्वान डॉ. जफरुल-इस्लाम खान ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि मानव जीवन को बचाना बहुत महत्वपूर्ण है और वर्तमान स्थिति इसके महत्व को बढ़ाती है। ताकि हर आड़े वक्त में बचत काम आसके। कांग्रेस नेता और दिल्ली कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हिदायतुल्ला ने एक सुधारवादी प्रणाली की वकालत करते हुए कहा कि इस्लाम सहित सभी धर्मों में ब्याज को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। इस्लाम में ब्याज लेना और देना दोनों वर्जित हैं। इसलिए, वित्तीय सहायता की एक समावेशी प्रणाली सबसे अच्छा विकल्प है और सहयोग आपसी समर्थन का एक बड़ा माध्यम है। इसलिए, सभी को सहयोग के साथ सहायता करनी चाहिए।

सहयोग अर्बन थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष शमसुजोहा ने सहयोग के एक साल के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहयोग एक पंजीकृत सरकार द्वारा अनुमोदित संगठन है, इसका सारा काम सरकारी नियमों के दायरे में किया जाता है।

अन्य वक्ताओं में सौरभ शेखर, सैयद तहसीन अहमद और अन्य शामिल थे। अब्दुल मन्नान उपाध्यक्ष सहयोग, निदेशक इरफान अहमद, शम्स तबरेज, निसार अहमद, मुशीर अहमद, फुरकान अहमद, सैयद फैजल और अमरजीत कास्टा थे। आसिफ अंसारी ने सब का धन्यवाद किया जबकि शोएब रजा फातिमी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसके अलावा कुछ लोगों को स्मृति चिन्ह और चेक भी दिए गए। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

"आप" सरकार में हुए जनहित के कामों की रक्षा और भाजपा से उसके वादों को पूरा कराने की जिम्मेदारी आतिशी बखूबी निभाएंगी- गोपाल राय

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने रविवार को सर्वसम्मति से अपने विधायक दल का नेता चुन लिया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और कालकाजी से विधायक आतिशी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगी। नेता प्रतिपक्ष के चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक हुई। पार्टी द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर डॉ. संदीप पाठक की मौजूदगी में विधायक संजीव झा ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका विधायक कुलदीप कुमार और जनरैल सिंह ने समर्थन किया। इसके बाद पार्टी के सभी विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में आतिशी के नाम पर अपनी सहमति दे दी। बैठक के बाद ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सभी विधायकों से मुलाकात की और आतिशी को सदन में आम आदमी पार्टी का नेता चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की जनता के हित में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक की अगुआई में हुई विधायक दल की बैठक के बाद दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और पूर्व सीएम आतिशी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। गोपाल राय ने बताया कि पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों के साथ विधायक दल की बैठक की गई, जिसमें आम आदमी पार्टी के विधायक दल के नेता की चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस प्रक्रिया के दौरान पार्टी ने सांसद डॉ. संदीप पाठक को ऑब्जर्वर नियुक्त किया था। डॉ. संदीप पाठक की उपस्थिति में विधायक संजीव झा ने पूर्व सीएम आतिशी को नेता प्रतिपक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा। विधायक कुलदीप कुमार और जरनैल सिंह ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके बाद सभी विधायकों की राय ली गई और सर्वसम्मति से आतिशी को नेता प्रतिपक्ष बनाने के प्रस्ताव को पास किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से आतिशी को आम आदमी पार्टी के विधायक दल का नेता चुना गया है। दिल्ली की जनता ने हमें विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। आतिशी दिल्ली विधानसभा के अंदर नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन करेंगी।

गोपाल राय ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायक दल के नेता और सदन के अंदर नेता प्रतिपक्ष के रूप में आतिशी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगी। इससे पहले भी उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण समय में दिल्ली की मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। साथ ही दिल्ली सरकार में मंत्री के रूप में भी काम कर चुकी हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने अब तक जनहित में जो काम किया है, हम उनकी रक्षा करेंगे। इसके अलावा, भाजपा ने दिल्ली की जनता से जो वादे किए हैं, जिनके आधार पर जनता ने उन्हें चुना है, अगर वह अपने वादे से मुकरते हैं, तो एक सशक्त और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए आम आदमी पार्टी अपनी जिम्मेदारियां निभाएगी।

गोपाल राय ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली की जनता से जो वादे किए हैं, उनको लागू करवाना और अब तक आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के लोगों के हित में जो काम किए हैं, उसकी रक्षा करने की भी दोहरी जिम्मेदारी हमारी नेता प्रतिपक्ष आतिशी के कंधों पर है। हमारा विधायक दल मिलकर सदन में इस काम को आगे बढ़ाएगा।

वहीं, दिल्ली की पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने पार्टी द्वारा भरोसा दिखाने और नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूरे विधायक दल का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को विपक्ष की भूमिका में चुना है। एक मजबूत विपक्ष के रूप में आम आदमी पार्टी सदन के अंदर पूरी ताकत से जनता की आवाज उठाएगी। भाजपा ने दिल्ली के लोगों को कई वादे किए, जिसके आधार पर जनता ने भाजपा को जनादेश दिया। एक विपक्ष के तौर पर यह हमारी जिम्मेदारी रहेगी कि भाजपा ने जनता से जो-जो वादे किए हैं, आम आदमी पार्टी एक विपक्ष के रूप में उन सभी वादों को पूरा करवाएगी।

आतिशी ने आगे कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी ने पहला बड़ा वादा किया था कि कैबिनेट की पहली बैठक में दिल्ली की हर महिला को प्रति माह 2500 रुपए देने की योजना पास की जाएगी और 8 मार्च तक पहली किश्त आ जाएगी। मोदी जी ने दिल्ली में प्रचार के दौरान यह गारंटी दी थी। लेकिन कैबिनेट की पहली बैठक हो गई और उसमें इस स्कीम पर चर्चा तक नहीं हुई। विपक्ष के तौर पर भाजपा की जवाबदेही तय करना आम आदमी पार्टी की जिम्मेदारी रहेगी। हम दिल्ली की महिलाओं से यह वादा करते हैं कि भाजपा और रेखा गुप्ता की सरकार ने दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए की जो गारंटी दी थी, हम उसे दिलवा कर रहेंगे।

आतिशी ने कहा कि विपक्ष के तौर पर हमारी पार्टी के दो महत्वपूर्ण एजेंडे रहेंगे। पहला, भाजपा ने जनता से जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करवाना, जिसमें प्रमुख तौर पर मोदी जी ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने की जो गारंटी दी थी, उसे लागू करवाना हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर रहेगा। दूसरा, भाजपा के मंत्रियों के बयानों से ऐसा सुनने में आ रहा है कि अब तक आम आदमी पार्टी की सरकार और अरविंद केजरीवाल ने जो जनहितकारी काम किए हैं, उन्हें बंद कराने की कोशिश की जाएगी। अभी दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री का एक बयान आया था, जिसमें कई सारे मोहल्ला क्लीनिक बंद कराए जाएंगे। दिल्लीवालों का कहीं से भी कोई अहित न हो, इसके लिए हमारे सारे विधायक सदन से सड़क तक लड़ेंगे।

कैग की रिपोर्ट पर सदन में चर्चा को लेकर मीडिया सवालों का जवाब देते हुए आतिशी ने कहा कि उस कैग रिपोर्ट को मैंने बतौर मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष को भेजी थी। इसलिए भाजपा जो यह बात फैला रही है कि उसने कैग रिपोर्ट पर निर्णय लिया है, दरअसल यह कैग की रिपोर्ट चुनाव से पहले ही सील्ड लिफाफे में विधानसभा स्पीकर के पास चली गई थी। यह कैग रिपोर्ट सदन के पहले सत्र में प्रस्तुत होनी ही थी। इसलिए भाजपा जो यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है कि उसने सदन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है, यह बिल्कुल भ्रामक है।

एमसीडी की ''आप'' सरकार का ऐतिहासिक फैसला, 25 फरवरी को 12 हजार कच्चे कर्मचारी होंगे पक्का: आतिशी

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में संविदा पर काम कर रहे हजारों कर्मचारियों के लिए बहुत बड़ी खुश खबरी है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने एमसीडी के 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को एक साथ पक्का करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। आगामी 25 फरवरी को आयोजित होने वाले एमसीडी के सदन में इन 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने पर मुहर लग जाएगी। यह जानकारी देते हुए ''आप'' की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने एमसीडी चुनाव में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में अब तक ''आप'' की सरकार 4500 कच्चे सफाई कर्मियों को पक्का कर चुकी है। मुझे लगता है कि इस देश के इतिहास में आज तक किसी भी सरकार ने अपने एक निर्णय में एक साथ 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया होगा।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम आतिशी ने नेता दुर्गेश पाठक, एमसीडी मेयर महेश खिंची और सदन के नेता मुकेश गोयल के साथ रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर इस ऐतिहासिक फैसले की जानकारी दी। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस दिन से आम आदमी पार्टी बनी है, यह आम आदमी पार्टी का वादा रहा है कि अलग-अलग सरकारी विभागों में काम कर रहे कच्चे कर्मचारियों को हमारी सरकार पक्का करेगी। इसी के तहत पंजाब में हमारी सरकार लगातार संविदा पर काम कर रहे शिक्षको को पक्का कर रही है। दिल्ली में एमसीडी के अंदर आम आदमी पार्टी की सरकार ने अभी तक

4500 सफाई कर्मचारियों को पक्का कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि अब इस कड़ी में आज आम आदमी पार्टी की एमसीडी सरकार एक बहुत बड़ा निर्णय लिया है। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी है कि आगामी 25 फरवरी को आयोजित होने वाले एमसीडी के सदन में 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। एमसीडी के इतिहास का यह सबसे बड़ा निर्णय होगा, जहां एक बार में 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। इसमें सभी विभाग के कच्चे कर्मचारी शामिल हैं। जिसमे सफाई कर्मचारी, माली, बेलदार, टीचर्स, इंजीनियरिंग विभाग में संविदा पर काम कर रहे एई और जेई, मलेरिया की जांच करने वाले डॉमेस्टिक ब्रीडर्स इत्यादि शामिल हैं।

आतिशी ने कहा कि एमसीडी के इतिहास में 25 फरवरी एक बड़ा दिन होगा, जहां 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। मुझे लगता है कि इस देश के इतिहास में आज तक किसी भी सरकार ने अपने एक निर्णय में एक साथ 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया होगा। यह अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार है और हमने एमसीडी के 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करके उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रहे हैं। जब हमने एमसीडी में चुनाव लड़ा था, तब हमने वादा किया था कि सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। आज मुझे खुशी है कि हम अपने इस वादे को पूरा कर रहे हैं।

इस दौरान एमसीडी मेयर महेश खिंची ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अब तक जो-जो वादे किए, सत्ता में आने के बाद उन सभी वादों को पूरा करके दिखाया। पिछले दो साल से दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार है। एमसीडी में हमने जो वादे किए थे, उसे पूरा करके दिखाया। पिछले दो साल में हमने करीब 4500 कर्मचारियों को पक्का किया है। अब आगामी 25 फरवरी को हम एमसीडी सदन में लगभग 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने जा रहे हैं। जिसमें अलग-अलग विभाग के माली, बेलदार, सफाई कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर समेत कई कच्चे कर्मचारी पक्के किए जाएंगे। अरविंद केजरीवाल का एक ही मकसद है कि हम सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करें। उन्होंने जो वादा किया था, हम उसे पूरा करने जा रहे हैं।

विधानसभा का पहला सत्र आज से, 25 को पेश होगी कैग रिपोर्ट; पहली बार एलजी करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का सोमवार से पहला सत्र शुरू होगा। दोनों पार्टियों ने सत्र के मद्देनजर अपनी रणनीति तय करने के लिए रविवार को अपने-अपने विधायक दल की बैठक की। 25 फरवरी को काफी समय से लंबित कैग की 14 रिपोर्ट पेश की जाएंगी। सत्र 27 फरवरी तक चलेगा, जिसमें 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर कार्यवाही स्थगित रहेगी।

सोमवार को सभी विधायकों को प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे। इसके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता को स्पीकर पद के लिए चुना जाएगा। इसी तरह उपाध्यक्ष पद का भी चुनाव होगा। इस पद के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ विधायक मोहन सिंह बिष्ट का नाम तय किया है।

पहली बार विधानसभा को संबोधित करेंगे एलजी

25 फरवरी को सत्र का दूसरा दिन होगा। सबसे पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना मौजूदा सरकार के कार्यकाल में पहली बार विधानसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद कैग की 14 रिपोर्ट भी रखी जाएंगी। कई रिपोर्ट 2016 से पेंडिंग हैं जिनमें दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण मसले हैं। विशेष रूप से इन रिपोर्ट में दिल्ली के आबकारी विभाग से जुड़े तथ्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें शराब घोटाले के आरोपों की संभावना है। इसके अलावा, डीटीसी, मोहल्ला क्लीनिक, स्वास्थ्य विभाग और पब्लिक अंडरटेकिंग्स से जुड़ी रिपोर्ट भी पेंडिंग हैं।

जनता की गाढ़ी कमाई का हिसाब पिछली सरकार को देना होगा : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि जनता की जिस गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग पिछली सरकार ने किया है, उसका हिसाब उन्हें अब दिल्ली की जनता को देना पड़ेगा। अब दिल्ली में विकास की नई नींव रखने जा रही है। सरकार का एक ही एजेंडा है दिल्ली को विकसित राजधानी बनाना। तीन दिवसीय विधानसभा सत्र में विकास की योजनाओं पर चर्चा होगी। पहले ही सदन में सीएजी रिपोर्ट को पटल पर रखा जाएगा।

आतिशी होंगी नेता प्रतिपक्ष

आप ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को विधायक दल का नेता चुना है। इसका फैसला रविवार को विधायक दल की बैठक में हुआ। पार्टी की तरफ से नियुक्त पर्यवेक्षक डॉ. संदीप पाठक की मौजूदगी में विधायक संजीव झा ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा। विधायक कुलदीप कुमार और जनरैल सिंह ने इसका समर्थन किया। इसके बाद पार्टी के सभी विधायकों ने आतिशी के नाम पर सहमति दे दी।

महाकुंभ जा रहे लोगों की पिकअप कैंटर से टकराई, तीन की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

जेवर में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 10 लोग घायल, शनिवार शाम पांच बजे सहारनपुर से निकलता था परिवार

ग्रेटर नोएडा। प्रयागराज महाकुंभ जा रहे लोगों से भरी पिकअप (छोटा हाथी) यमुना एक्सप्रेसवे पर कैंटर से टकरा गई। इसमें दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि चालक को झपकी आने से हादसे की आशंका है। तहरीर केस दर्जकर मामले की जांच कर रही है।

हादसा जेवर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार देर रात करीब 11:15 बजे हुआ। सहारनपुर के थाना देवबंद के जखवाला निवासी राहुल सिंह परिवार के 13 सदस्यों के साथ पिकअप से शनिवार शाम पांच बजे निकले थे। पिकअप को हरपाल चला रहे थे। जब पिकअप यमुना एक्सप्रेसवे पर 33 किमी माइलस्टोन के पास पहुंचा तो हरपाल को झपकी आ गई। इससे पिकअप अनियंत्रित होकर कैंटर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में पीछे सो रहे रहे लोग बुरी तरह घायल हो गए। पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। आगे बैठे साहब सिंह और चालक हरपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर जेवर टोल से पहुंची पेट्रोलिंग टीम और जेवर कोतवाली पुलिस ने घायलों को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। कटर की मदद से पिकअप के अगले हिस्से को काटकर साहब सिंह और चालक को निकाला गया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान साहब सिंह व उनकी पत्नी रोशनी (65) और रिश्तेदार महिला रामवती (60) को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज से मामले की जांच की जा रही है। पिकअप जिस वाहन से टकराया है। उसकी पहचान की जा रही है। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि हादसे में साहब सिंह के पुत्र राहुल सिंह की शिकायत पर मामले में केस दर्ज कर किया गया है। जांच सब इंस्पेक्टर अनूप कुमार दीक्षित को सौंपी गई है।

घायल खतरे से बाहर

घायलों में राहुल सिंह (36), हरपाल (44), पूनम (45), अनीता (45), सलोनी (21), नीलम (40), पिंकी (50), यशवीर (13), बच्चन (38) और ओमवती (55) शामिल हैं। ये खतरे से बाहर हैं। वे अपने निजी स्थान पर उपचार करा रहे हैं। जेवर स्थित कैलाश अस्पताल के डॉ. एके सिंह का कहना हादसे में घायल होकर कुल 12 लोग पहुंचे थे। सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

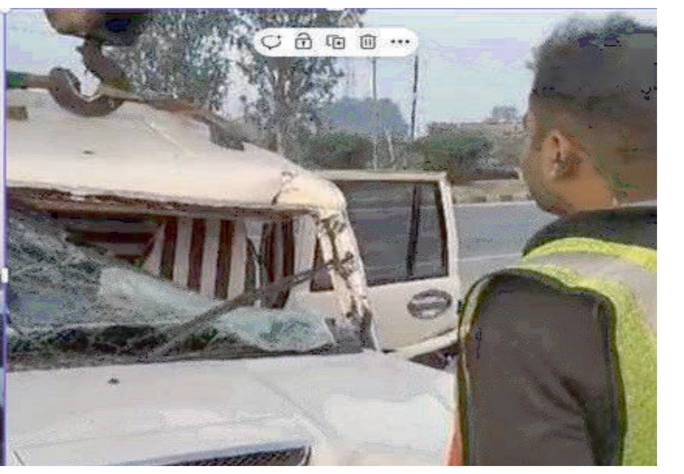

हादसे के बाद भागने का नहीं मिला मौकाः

घटना के वक्त पीछे लोग चादर, तकिया, कंबल डालकर सो रहे थे। हादसा होने के बाद तेज झटका लगने पर वाहन पलटने के साथ एक-दूसरे पर चढ़ गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। छोटी गाड़ी होने से लोगों को भागने का मौका नहीं मिला। इस कारण पीछे सवार दो महिलाएं दम घूटने, सिर में चोट लगे से मर गईं। वहां से गुजरे रह लोगों ने डायल-112 पर सूचना दी थी। राहुल ने बताया कि हादसे में उनके माता-पिता की मौत हुई है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर एक साल में हुए हादसेः

नवंबर-2024 में कैंटर ने सड़क किनारे खड़ीं दो कारों को पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में कृपालु महाराज की बड़ी बेटी डॉ. विशाखा त्रिपाठी की मौत हो गई थी, जबकि अन्य सात लोग घायल हो गए थे।

दिसंबर-2024 में जेवर कोतवाली क्षेत्र में वाहन ने एक बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। हादसे में इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई थी।

रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी थी। इस हादसे में कार में सवार व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मई-2024 में जेवर में ईंट से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली और रोडवेज बस की टक्कर हो गई थी। ट्रैक्टर पर बैठे मजदूर की मौत हो गई थी। दोनों वाहनों के चालक और 12 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

जनवरी-2024 में कोहरे के कारण हादसे में बस में दो कारें पीछे से टकरा गई थीं। इस हादसे में नौ व्यक्ति घायल हो गए थे और एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

पीयूष मिश्रा के 'उड़नखटोला' ने संगीतमय प्रस्तुति से जीता दिल, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

परिवहन विशेष न्यूज

पीयूष मिश्रा का 'उड़नखटोला' टूर भारत के विभिन्न शहरों और दुबई में धूम मचाने के बाद शनिवार को गुरुग्राम पहुंचा। नवंबर 2024 में शुरू हुए पीयूष मिश्रा के इस उड़नखटोला टूर ने अब तक कोलकाता, अहमदाबाद, वडोदरा, इंदौर, भोपाल, पुणे, ठाणे, रायपुर, हैदराबाद, बंगलूरू, नागपुर और दुबई में धमाकेदार प्रस्तुतियां दी हैं, जहां हर शो में हजारों की भीड़ उमड़ी और जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलीं।

गुरुग्राम। अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर राज करने वाले और अपनी गायकी से लोगों को प्रभावित करने वाले कलाकार पीयूष मिश्रा का 'उड़नखटोला' टूर भारत के विभिन्न शहरों और दुबई में धूम मचाने के बाद शनिवार को गुरुग्राम पहुंचा। बल्लीमारान बैंड के साथ अपने अनोखे संगीत और कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत संध्या में अपनी प्रस्तुति से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

सेक्टर-29 में शनिवार शाम पीयूष मिश्रा और उनके बैंड बल्लीमारान ने शानदार प्रस्तुति दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह दूसरी बार गुरुग्राम आए हैं। इसके बाद अपने बैंड के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली में लंबे समय तक रहा हूं। उर्दू शायरी के मास्टर मिर्जा गालिब को उनका बैंड संगीतमय श्रद्धांजलि देता है। इस बैंड का नाम, दिल्ली की उस गली से प्रेरित है, जहां कभी मिर्जा गालिब रहते थे।

इससे पहले तम्बू एंटरटेनमेंट के संस्थापक और सीईओ राहुल गांधी ने इस उड़नखटोला टूर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मंच का संचालन करते हुए उन्होंने कहा कि पीयूष मिश्रा ने एक पारंपरिक संगीत कार्यक्रम से कहीं आगे ले जाकर एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। पीयूष भाई के गाने, जो उन्होंने 90 के दशक में अपने थिएटर के दिनों में लिखे थे, वो बिल्कुल टाइमलेस हैं। इसका इससे बड़ा कोई सबूत नहीं हो सकता 'जब हमने ये गाने सुने और इतने वर्षों तक इस बैंड को इस मुकाम तक पहुंचाने में लगे रहे, तो यही अहसास हुआ कि ये गाने सच में अमर हैं। गांधी आगे कहते हैं, "इसी सोच के साथ इस पूरे टूर को प्लान किया गया।जब उन्होंने मंच से आरंभ है प्रचंड... गीत प्रस्तुत किया तो वहां मौजूद लोग झूमने लगे। इस कार्यक्रम में अमर उजाला मीडिया पार्टनर रहा।

पीयूष मिश्रा ने पहले उड़नखटोला टूर के बारे में लोगों को जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए। थोड़ा नजारा, चटपट बाते.., बूंदे लेहर बोलो कि...ओ री दुनिया..जैसे गीत गूंजे और श्रोताओं को और भी अधिक की चाहत छोड़ गए।

पीयूष मिश्रा ने कहा कि उड़नखटोला अपने बैंड के साथ अब आगरा, लखनऊ, कानपुर, चंडीगढ़ और देहरादून की ओर बढ़ रहा है, जहां प्रशंसकों को बेसब्री से इस जादुई अनुभव का इंतजार रहेगा। बता दें कि नवंबर 2024 में शुरू हुए इस उड़नखटोला टूर ने अब तक कोलकाता, अहमदाबाद, वडोदरा, इंदौर, भोपाल, पुणे, ठाणे, रायपुर, हैदराबाद, बंगलूरू, नागपुर और दुबई में धमाकेदार प्रस्तुतियां दी हैं, जहां हर शो में हजारों की भीड़ उमड़ी और जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलीं। यह टूर केवल एक संगीत कार्यक्रम नहीं बल्कि एक संपूर्ण अनुभव बन चुका है, जहां पीयूष मिश्रा की गहरी और भावनात्मक कविताएं, उनके प्रभावशाली मंच प्रदर्शन और उनकी अनोखी कहानी कहने की कला, दर्शकों को उनकी दुनिया में खींच ले जाती है।

62 वर्ष की उम्र में भी पीयूष मिश्रा यह साबित कर रहे हैं कि संगीत की कोई उम्र नहीं होती। उनके गीत आज भी हर पीढ़ी के दिल को छू जाते हैं। बल्लीमारान के साथ, उन्होंने एक ऐसा अनूठा संगीत तैयार किया है, जो बीते दौर की गूंज और आज की ताजगी को एक साथ जोड़ता है।

एआई बताएगा अभी कितना बकाया है आपका संपत्ति कर

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। नगर निगम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रयोग से लोगों की सुविधाओं को विस्तार देने के लिए लगातार काम कर रहा है। अब संपत्ति कर के विश्लेषण के लिए भी नगर निगम एआई का प्रयोग करेगा। इसकी मदद से कब किस उपभोक्ता द्वारा कितना संपत्ति कर जमा कर दिया गया, किसका संपत्ति कर बकाया है। इसकी जानकारी समय-समय पर अधिकारियों को मिलती रहेगी। इसके अलावा रिमाइंडर के अनुसार उपभोक्ताओं के मोबाइल पर भी बकाया बिल को लेकर नोटिफिकेशन जाता रहेगा।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि इसके लिए नगर निगम के बिल बनाने वाले साफ्टवेयर को अपडेट कर दिया गया है, जिससे बिल जमा करने वालों के डेटा को अलग कर लिया जाएगा और बकायेदारों को स्वतः मैसेज चला जाएगा। शहर में चार लाख 72 हजार संपत्ति कर के उपभोक्ता हैं। इसके अलावा एक लाख नए मकानों को जीआईएस सर्वे के बाद चिह्नित किया गया है, जिनसे वसूली के लिए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 415 करोड़ रुपये कर वसूलने का लक्ष्य है। पिछले वर्ष की तुलना में अब तक 64 करोड़ रुपये अधिक संपत्ति कर वसूला गया है।

फ्लैट में रहने वालों को भी मिल रहा है नोटिस

नगर निगम की सीमा के अंतर्गत बहुमंजिला इमारतों के लगभग 1.25 लाख फ्लैटों से संपत्ति कर वसूला जाना है, जिनमें 25 हजार नए करदाता शामिल हुए हैं। इनसे कर वसूली के लिए पहली बार इन्हें नोटिस जारी कर जल्द से जल्द कर जमा करने को कहा गया है। नगर निगम की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एक लाख से ज्यादा भवनों को संपत्ति कर के दायरे में लाया गया है। इनमें कई ऐसी बहुमंजिला इमारतें भी शामिल हैं, जिनमें रहने वालों ने अब तक गृह कर जमा नहीं किया है।

दुनियाँ का सबसे बड़ा आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक समागम प्रयागराज महाकुंभ 2025, वैश्विक शोध का विषय बना!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ हैरानी से दंग रह गई है, कि ऐसा कैसा हो सकता है ? कि अनेकों देश की एकीकृत जनसंख्या के तुल्य करीब संभावित 70 करोड़ व्यक्ति 45 दिन के महाकुंभ 2025 में घाटों पर पवित्र डुबकी लगाकर स्नान कर धार्मिकता की पावन पवित्रता से सराबोर हो हैं। संभावना व्यक्ति की जा रही है कि डुबकी लगाने वालेश्रद्धालुओं की संख्या 70 करोड़ के पार हो सकती है, सबसे बड़ी बात यह सामने आई है कि यह डुबकी न केवल आध्यात्मिक आस्था से जुड़े लोग लग रहे हैं, बल्कि अनेक देशोंके प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के छात्र व प्रोफेसर इस संपूर्ण आयोजन का अलग-अलग एंगल से अलग-अलग क्षेत्रों के विषयों को लेकर शोध करने में जुटे हुए हैं। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ के दौरान, दुनिया और देश भर के 20 से अधिक प्रमुख शैक्षिक संस्थान महाकुंभ से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन करने के लिए यहां कैम्प लगाए हैं। हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, क्योटो यूनिवर्सिटी, ऐम्स, आईआईएम अहमदाबाद आईआईएम बेंगलुरू, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और जेएनयू जैसे प्रमुख संस्थान अपने प्रोफेसरों, शोधार्थियों और छात्रों को प्रयागराज भेजें हैं, जो रेखांकित करने वाली बात है। दूसरी ओर अति बड़े-बड़े आयोजनों में कुछ घटनाएं होने का भी अंदेशा बना रहता है, यानें व्यवस्थाओं में कुछ कमियां खामियाँ भी हो रही है, जैसे भगदड़ आग व दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कुछ व्यक्तियों की जान भी गई, जो बड़े दुख की बात है, उसी कड़ी में हमारी राइस सिटी गोंदिया में, मेरे पड़ोसी व परम मित्र नारायण जी तिवारी भी अभी दो-चार दिन पूर्व प्रयागराज गए तो घाट के पास उनकी पत्नी को चक्कर आया उन्हें लगे हुए शिविरों के माध्यम से तुरंत मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, कोईशिकायत नहीं है, परंतु कुदरत के जन्म मृत्यु के नियमवश उनका देहांत हो गया, यह दुखद घटना हो गई परंतु उनसे मैंनें इस विषय पर किसी संभावित अवस्था की बात की तो उन्होंने शासन प्रशासनव व्यवस्था की तारीफ़ की और वहां के शासन प्रशासन व्यवस्थापकों का पूरा सहयोग प्राप्त होने की बात कही, यह मृत्यु जीवन चक्र जिंदगी का एक हिस्सा है, उन्होंने व्यवस्थाओं शासन प्रशासन को क्लीन चिट दी चूँकि महाकुंभ मेले को देख पूरी दुनियाँ हैरान है, हार्वर्ड स्टैंनफोर्ड, आईआईएम, एम्स सहित क़रीब 20 संस्थान शोध कर रही है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुनियाँ का सबसे बड़ा आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज महाकुंभ 2025, वैश्विक शोध का विषय बना हुआ है। 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के स्नान के साथ महाकुम्भ का समापन होगा, श्रद्धालुओं आंकड़ा 70 करोड़ पार होने की संभावना है।

साथियों बात अगर हम महाकुंभ 2025 के अनेक क्षेत्रों के कार्यों पर शोध की करें तो, दुनियाँ भर और देश भर के दो दर्जन से ज़्यादा प्रमुख शिक्षण संस्थान महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में डेरा डाले हैं, ताकि दुनियाँ के सबसे बड़े धार्मिक समागम से जुड़े विभिन्न पहलुओं काअध्ययन किया जा सके। हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, क्योटो यूनिवर्सिटी, एम्स, आई आईएम अहमदाबाद आईआईएम बैंगलोर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और जेएनयू कुछ ऐसे प्रमुख संस्थान हैं जो प्रयागराज में रहने के लिए प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर और छात्रों को भेजे हैं। इस बात की जानकारी मेला क्षेत्र में तैनात एक अधिकारी द्वारा मीडिया में दी गई है, उन्होंने कहा कि पहली बार हम आर्थिक प्रभाव, भीड़ प्रबंधन, सामाजिक-सांस्कृतिक अभिव्यक्ति खाद्य वितरण श्रृंखला, नृवंशविज्ञान खातों के माध्यम से मानवशास्त्रीय अध्ययन, मल प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों पर संस्थान समर्थित अध्ययन करेंगे।सरकार द्वारा आठ अलग-अलग क्षेत्रों और विषयों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जिन्हें शोधकर्ताओं द्वारा कवर किया जा रहा हैं। सूत्रों ने कहा कि वैश्विक भागीदारी के लिए कार्यक्रम को खोलते हुए शहरी विकास विभाग ने विस्तृत अध्ययन करने का विचार पेश किया था। भोजन और पेयजल पर शोध करेगा हार्वर्ड- मानवशास्त्रीय अध्ययन और खाद्य वितरण श्रेणी में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रतिभागियों के लिए भोजन और पेयजल तथा शहरी अवसंरचना प्रबंधन पर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय महाकुंभ का मानवशास्त्रीय अध्ययन और लखनऊ विश्वविद्यालय तीर्थ और पवित्र भूगोल पर अध्ययन करेगा। आईआईएम इंदौर पर्यटन, मीडिया की भूमिका और सोशल मीडिया प्रबंधन के सर्वोत्तम तरीकों पर, जेएनयू महाकुंभ के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव और आर्थिक परिणामों पर और दिल्ली विश्वविद्यालय महाकुंभ के दार्शनिक और राष्ट्रीय एकता के पहलुओं पर शोध करेगा। प्रबंधन और योजना पर आईआईएम, स्वास्थ्य पर एम्स आईआईएम बैंगलोर और अहमदाबाद कुशल रणनीतिक प्रबंधन और योजना और शहरी अवसंरचना प्रबंधन पर तथा लखनऊ विश्वविद्यालय कार्यबल की रणनीतिक योजना और संचालन का विश्लेषण करेगा। स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन में एम्स आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया के लिए स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी पर और सक्षम-निक्षय अभियान टीबी उन्मूलन अभियान के अवसरों और चुनौतियों का मूल्यांकन करेगा। आइआइटी कानपुर डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग के तहत सोशल मीडिया की भूमिका पर शोध करेगा।पर्यावरण और शहरी अवसंरचना और परिवहन भी मुख्य हिस्सा बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन महाकुंभ के पर्यावरणीय दस्तावेज़ीकरण पर अध्ययन करेगा। आइआइटी मद्रास जल और अपशिष्ट प्रबंधन का आकलन करेगा तथा संस्कृति फाउंडेशन हैदराबाद पर्यावरण संरक्षण के प्रति तीर्थयात्रियों की संवेदनशीलता पर अध्ययन करेगा।आईआईटी मद्रास, बीएचयू और एमएनएनआइटी परिवहन और यातायात प्रबंधन की चुनौतियों का विश्लेषण करेंगे।वहीं स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ) महाकुंभ के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव का अध्ययन करेगा। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स महाकुंभ 2025 के आर्थिक प्रभाव का आकलन प्रभावी ढंग से करेगा।

साथियों बात अगर हम महाकुंभ मेले की करें तो महाकुंभ मेला क्या है ? कुंभ मेला भारत भर में पवित्र नदियों के तट पर चार शहरों में हर तीन साल में आयोजित किया जाता है। इस चक्र में हर 12 साल में एक बार आयोजित होने वाले कुंभ मेले में उपसर्ग 'महा' (महान) होता है क्योंकि इसे अपने समय के कारण अधिक शुभ माना जाता है और इसमें सबसे बड़ी भीड़ जुटती है। श्रद्धालु हिंदुओं का मानना है कि पवित्र नदियों में डुबकी लगाने से लोगों के पाप धुल जाते हैं और कुंभ मेले के दौरान इससे जीवन-मरण के चक्र से भी मुक्ति मिलती है।कैसे शुरू हुआ कुंभ मेला ? कुंभ मेले की उत्पत्ति हिंदू ग्रंथ ऋग्वेद में हुई है और 'कुंभ' शब्द का तात्पर्य अमरता के अमृत से युक्त घड़े से है, जो 'सागर मंथन' या ब्रह्मांडीय महासागर के मंथन नामक एक दिव्य घटना के दौरान प्रकट हुआ था। इस अमृत को पाने के लिए 12 दिव्य दिनों तक युद्ध चला, जो 12 मानव वर्षों के बराबर था।अमृत की बूंदें चार स्थानों – प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन, पर गिरी, जो कुंभ के स्थल बन गए।कुंभ में, विभिन्न हिंदू संप्रदायों या अखाड़ों से संबंधित भक्त भव्य जुलूसों में भाग लेते हैं और पवित्र नदी में डुबकी लगाकर 'शाही स्नान' करते हैं। यह भव्य नजारा लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है, जो न केवल इस अनुष्ठान में भाग लेने के लिए आते हैं, बल्कि हजारों संतों और संन्यासियों को, जो प्रायः अपने पारंपरिक भगवा परिधान पहने होते हैं, लगभग शून्य तापमान में डुबकी लगाते हुए देखने के लिए श्रद्धा के साथ भी आते हैं।

साथियों बात अगर हम कुंभ के आयोजन की करें तो इसका आयोजन कैसे किया जा रहा है ? इसके विशाल आकार को देखते हुए, महाकुंभ मेले का आयोजन अधिकारियों के लिए एक बहुत बड़ा काम है, जो हर बार बड़ा होता जा रहा है। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए 150,000 टेंट लगाए हैं, जिनकी संख्या अनेक देशों के आबादियों की की आबादी से लगभग तीन गुना होने की उम्मीद है।

साथियों बात अगर हम आम जनता द्वारा क्या महसूस किया गया इसका वर्णन करने की करें तो महाकुंभ-अफवाह फैलाने वाले 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर एफआईआर, मनमाना किराया वसूल रहे बाइक-रिक्शावाले, शहर में आज भी भीषण जाम का शहर है प्रयागराज महाकुंभ का आज 42 वां दिन है। मेला खत्म होने में 3 दिन और बचे हैं। आखिरी वीकेंड पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। मेला क्षेत्र के बाहरी हिस्सों में भीषण जाम लगा है। यमुना नदी पर बने ब्रिज की ओर जाने वाला रास्ता करीब 7 घंटे से जाम है। बांग्लादेश में 2022 में हुई ट्रेन में आग लगने की घटना कोमहाकुंभ की घटना बताकर अफवाह फैलाने वाले 34 सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।लखनऊ से आई एक महिला ने मीडिया में बताया- शहर के बाहर बस ने उतार दिया। इसके बाद शटल बस से मेले के लिए रवाना हुई। बस में खड़े होकर आना पड़ा। आधे घंटे की दूरी तय करने में 4 घंटे लगे।प्रयागराज के सभी 7 एंट्री पॉइंट्स पर बाहर से आने वाली गाड़ियों को रोक दिया जा रहा है। शहर से बाहर बनी पार्किंग में गाड़ी पार्क करनी पड़ रही। यहां से संगम की दूरी 10 से 12 किमी है।एंट्री पॉइंट्स पर रोके गए श्रद्धालुओं को कम से कम 10-12 किमी तक पैदल चलना पड़ रहा है। हालांकि, उनकी सुविधा के लिए प्रशासन शटल बसें, ई-रिक्शा, ऑटो, ठेले को चलने दे रहा है। हजारों की संख्या में बाइक वाले भी सवारी ढो रहे हैं। लेकिन, ये सभी मनमाना किराया वसूल रहे हैं।

साथियों बात अगर हम प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी की करें तो, महाकुंभ मेले को 2017 में यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा दिया गया। यह मानवता का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण संगम है। यह आयोजन खगोलशास्त्र, ज्योतिष, आध्यात्मिकता, और सामाजिक- सांस्कृतिक परंपराओं का भी संगम है, जो इसे ज्ञान का एक समृद्ध स्रोत बनाता है।महाकुंभ के लिए प्रयागराज में एक अस्थायी नगरी का निर्माण किया जा रहा है और यह नगरी आधुनिक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे और प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है।अनूठी चुनौती और अवसर, प्रयागराज, जिसकी आबादी 5.5 मिलियन है, के लिए 400 मिलियन विजिटर्स का स्वागत करना एक अभूतपूर्व चुनौती और अवसर प्रस्तुत करता है, जो संस्थानों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र रहा है। यह भव्य आयोजन हर 12 साल में तब मनाया जाता है जब सूर्य, चंद्रमा और गुरु एक विशेष आकाशीय स्थिति में एकत्र होते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दुनियाँ का सबसे बड़ा आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक समागम प्रयागराज महाकुंभ 2025, वैश्विक शोध का विषय बना !महाकुंभ समागम को देख पूरी दुनियाँ हैरान, हार्वर्ड, स्टैंनफोर्डलंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, आईआईएम, एम्स सहित 20 संस्थानों का शोध शुरू।26 फ़रवरी 2025 को महाशिव रात्रि के स्नान के साथ महाकुंभ आयोजन का समापन होगा-श्रद्धालुओं का आंकड़ा 70 करोड़ पार होने की संभावना।

मर्सिडीज की कारों में मिली बड़ी खामी, कंपनी ने जारी किया रिकॉल, जानें क्या आपकी कार तो लिस्ट में शामिल नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

जर्मनी की लग्जरी वाहन निर्माता Mercedes Benz की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की कई कारों में गड़बड़ी मिली है। जिसके बाद प्रभावित कारों के लिए Recall को जारी किया गया है। मर्सिडीज की किन कारों में किस तरह की गड़बड़ी मिली है। कितनी प्रभावित यूनिट्स को वापस बुलाया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में सामान्य कारों के साथ ही कई विदेशी कंपनियों की कारों को भी पसंद किया जाता है। कई लग्जरी कारों को ऑफर करने वाली जर्मन निर्माता Mercedes Benz की कारों में गड़बड़ी की जानकारी सामने आई है। जिसके बाद कंपनी ने इन कारों के लिए Recall जारी किया है। कंपनी की ओर से किन कारों की कितनी यूनिट्स के लिए किस तरह की गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद रिकॉल (Mercedes Benz Recall 2025) को जारी किया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mercedes ने जारी किया Recall

मर्सिडीज बेंज की ओर से कई कारों के लिए रिकॉल को जारी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से अलग अलग समस्याओं की जानकारी सामने आने के बाद इन कारों के लिए रिकॉल को जारी किया है।

कितनी यूनिट्स के लिए जारी हुआ रिकॉल

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से करीब 2546 यूनिट्स के लिए रिकॉल को जारी किया गया है। इन यूनिट्स में ईसीयू की परेशानी की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा 96 यूनिट्स के लिए भी अलग से रिकॉल किया गया है। इन कारों में फ्यूल डिलीवरी मॉड्यूल में समस्या के बाद वापस बुलाया गया है।

कौन से मॉडल हुए प्रभावित

जानकारी के मुताबिक कंपनी की जिन कारों में ये समस्याएं पाई गई हैं उनमें E-Class, C-Class, GLC, S-Class, G-Class, AMG GT, AMG G63 जैसी कारें और एसयूवी

शामिल हैं।

कब बनी हैं यूनिट्स

मर्सिडीज की ओर से ई-क्लास कारों को ऑफर किया जाता है। इसकी प्रभावित यूनिट्स को 29 अप्रैल 2022 से 20 अगस्त 2024 के बीच बनाया गया है। जिनमें सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी पाई गई है। वहीं सी-क्लास की प्रभावित यूनिट्स को 31 अगस्त 2021 से 20 अगस्त 2024 के बीच बनाया गया है।

GLC की यूनिट्स को सात अक्टूबर 2022 से अब तक बनाया जा रहा है। एस-क्लास की यूनिट्स को 20 जुलाई 2022 से 29 सितंबर 2023, जी-क्लास की यूनिट्स को 17 अगस्त 2022 से 20 दिसंबर 2022, AMG GT की यूनिट्स को पांच अक्टूबर 2022 से अभी तक और AMG G63 की यूनिट्स को नौ अक्टूबर 2021 से 18 अक्टूबर 2022 के बीच बनाया गया है। इन कारों में फ्यूल डिलीवरी मॉड्यूल की समस्या की जानकारी सामने आई है।

कंपनी दे रही जानकारी

मर्सिडीज की ओर से जिन यूनिट्स में खराबी की जानकारी सामने आई है। उन लोगों को ई-मेल, फोन के जरिए जानकारी दी जा रही है।

बिना चार्ज ठीक होंगी कारें

जिन भी यूनिट्स में खराबी पाई गई है, उनको सर्विस सेंटर पर ले जाना होगा। जहां उनकी खराबी को बिना कोई अतिरिक्त चार्ज लिए ठीक किया जाएगा।

नई गाड़ी खरीदने पर लाखों की बचत का आखिरी मौका, इन कारों पर मिलेगा सबसे ज्यादा डिस्काउंट

परिवहन विशेष न्यूज

वाहन निर्माताओं की ओर से अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए हर महीने कई Discount Offers अपनी कारों पर दिए जाते हैं। February 2025 में भी कई कारों पर लाखों रुपये के ऑफर्स दिए जा रहे हैं। अगर आप भी इस महीने नई गाड़ी खरीदने जा रहे हैं तो 28 फरवरी तक किन कारों पर सबसे ज्यादा बचत की जा सकती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। वाहन निर्माताओं की ओर से हर महीने अपने पोर्टफोलियो की कारों पर तगड़े डिस्काउंट ऑफर्स दिए जाते हैं। अगर इस महीने अभी तक आप गाड़ी नहीं खरीद पाए हैं तो 28 February 2025 तक किन Cars and SUVs को खरीदने पर लाखों रुपये बचाए जा सकते हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

हुंडई Ioniq5 पर चार लाख रुपये की बचत का मौका

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी की बिक्री की जाती है। कंपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर Hyundai Ioniq5 को ऑफर करती है। अगर आप भी इस महीने इस गाड़ी को खरीदते हैं तो आपको अधिकतम चार लाख रुपये तक की बचत हो सकती है। कंपनी की ओर से कैश बेनिफिट के तौर पर इसकी 2024 की यूनिट्स पर यह ऑफर दिया जा रहा है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 46.05 लाख रुपये है।

Maruti Invicto पर 2.45 लाख रुपये की बचत का मौका

मारुति की ओर से सबसे महंगी गाड़ी के तौर पर MPV सेगमेंट में Maruti Invicto को लाया जाता है। 2024 की बची हुई यूनिट्स को फरवरी के आखिर तक खरीदने पर आपको 2.45 लाख रुपये तक की बचत का मौका दिया जा रहा है। यह ऑफर इसके टॉप वेरिएंट Alpha पर मिलेगा। इसकी एक्स शोरूम कीमत 25.51 लाख रुपये से शुरू होती है।

ग्रैंड विटारा पर दो लाख से ज्यादा की बचत का मौका

फरवरी 2025 के बचे हुए दिनों में अगर Maruti Grand Vitara को खरीदा जाता है तो आप अपने 2.18 लाख रुपये तक बचा सकते हैं। एसयूवी के ऑल व्हील ड्राइव की 2024 की यूनिट्स पर यह बचत की जा सकती है। कंपनी इस एसयूवी पर कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस, रूरल ऑफर्स के तहत यह ऑफर दे रही है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 11.09 लाख रुपये से शुरू होती है।

Maruti Jimny पर मिलेगा तगड़ी बचत का मौका

फरवरी 2025 में अगर आप मारुति की जिम्नी के टॉप वेरिएंट Alpha को खरीदने जा रहे हैं, तो इसकी 2024 की यूनिट्स पर इस महीने में 1.91 लाख रुपये तक बचाए जा सकते हैं। कंपनी की ओर से पिछले साल की बची यूनिट्स पर कैश डिस्काउंट के साथ ही बुकिंग ऑफर के तहत यह ऑफर दिया जा रहा है। वहीं इसके Zeta वेरिएंट पर इस महीने 1.20 लाख रुपये की बचत हो सकती है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 12.76 लाख रुपये से शुरू होती है।

Honda Amaze पर भी होगी बचत

होंडा की ओर से कॉम्पैक्ट सेडान कार के तौर पर अमेज को लाया जाता है। इसकी दूसरी जेनरेशन पर कंपनी इस महीने 1.07 लाख रुपये के ऑफर दे रही है। पुरानी अमेज के टॉप वेरिएंट VX पर यह ऑफर दिया जा रहा है। इसके अन्य वेरिएंट्स पर 57 हजार रुपये तक बचाए जा सकते हैं। पुरानी जेनरेशन अमेज की एक्स शोरूम कीमत 7.20 लाख रुपये से शुरू होती है।

चलाने में है कितनी दमदार, क्या है प्रेक्टिकल कार, खरीदने में होगा फायदा या नुकसान

परिवहन विशेष न्यूज

ब्रिटेन की कार कंपनी MG मोटर्स भारत में सबसे नई EV के तौर पर MG Windsor EV को ऑफर करती है। कंपनी की यह गाड़ी हमने कुछ दिनों के लिए चलाई। इस दौरान हमने इसे कई मायनों में परखा। क्या यह सच में एक दमदार ईवी है। ट्रैफिक और खुली सड़कों पर यह कितनी प्रेक्टिकल कार है। क्या इसे खरीदने में फायदा होगा? आइए जानते हैं।

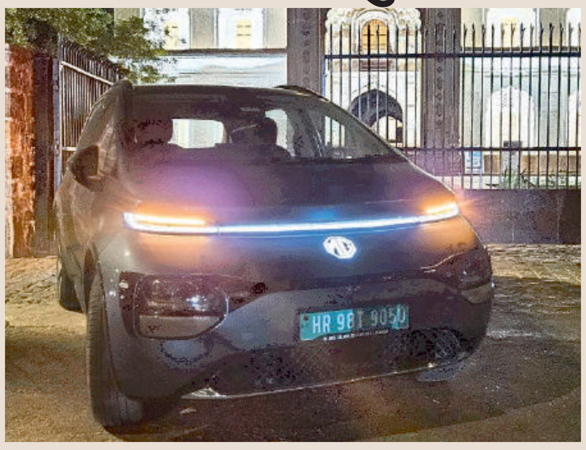

नई दिल्ली। दुनियाभर के साथ ही भारत में भी EV की काफी मांग है। महंगी कारों के साथ बजट वाले ईवी सेगमेंट में भी Tata, Mahindra और MG अपनी कारें ऑफर करते हैं। ऐसे ही MG Windsor EV को भी 10 से 16 लाख रुपये के बीच ऑफर किया जाता है। हमने करीब पांच दिन इस CUV को चलाकर देखा। इस दौरान शहर के ट्रैफिक के साथ ही हाइवे पर भी इसे चलाया। मिडल क्लास फैमिली के लिए यह कार कितनी प्रेक्टिकल है। किस तरह के फीचर्स इसमें मिलते हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

कैसी है MG Windsor EV

एमजी की ओर से बजट ईवी के तौर पर MG Windsor EV को 2024 में ही लॉन्च किया गया था। पिछले साल के फेस्टिव सीजन से इसकी डिलीवरी को देना शुरू किया गया था। जिसके बाद से ही यह गाड़ी लोगों को काफी पसंद आ रही है। ऐसे में हमने भी इस गाड़ी को परखने की कोशिश की जिससे यह समझ सकें कि आखिर काफी कम समय में ही यह गाड़ी भारतीयों की पसंद कैसे बन रही है। हमने इसे करीब पांच दिन शहर के ट्रैफिक के साथ ही हाइवे की खुली सड़कों पर दिन और रात के समय चलाकर देखा। इस दौरान हमने यह समझने की कोशिश की कि क्या यह गाड़ी एक मिडल क्लास परिवार के लिए कितनी प्रेक्टिकल कार हो सकती है।

कैसा है डिजाइन

एमजी ने Windsor EV को एक फ्यूचरिस्टिक डिजाइन के साथ ऑफर किया है। कंपनी के मुताबिक इसके फ्रंट को किसी प्लेन के फ्रंट की तरह डिजाइन किया गया है। कई लोगों को यह डिजाइन पसंद भी आएगा और कुछ लोग इसे और बेहतर करने की बात भी कह सकते हैं। लेकिन हमें भी इसका डिजाइन काफी अच्छा लगा और तकनीकी तौर पर बात करें तो तेज स्पीड में जब इसे चलाया जाता है तो यह डिजाइन एयरोडाइनैमिक होने के कारण ज्यादा बेहतर तरीके से कार चलाने में मदद करता है। साइड प्रोफाइल में दिए इसके दरवाजे काफी चौड़े हैं जिस कारण गाड़ी में बैठने और बाहर निकलने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती। रियर से भी इसका लुक काफी बेहतर बनाया गया है। रात के समय गाड़ी का फ्रंट और रियर काफी बेहतरीन लगता है। गाड़ी में विंडो काफी बड़ी दी गई हैं साथ ही पैनोरमिक सनरूफ के कारण केबिन अन्य कारों के मुकाबले ज्यादा एयरी लगता है।

ट्रैफिक पुलिस ने काट दिया गलत चालान, कहां और किससे करें शिकायत? जानिए

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आपके वाहन का चालान गलती से कट गया है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से इसकी शिकायत कर सकते हैं और गलत जुर्माने से बच सकते हैं।

कई बार वाहन चालकों के साथ ऐसा होता है कि उनका गलत चालान कट जाता है। यह कभी सीसीटीवी कैमरे की गड़बड़ी की वजह से होती है, तो कभी ट्रैफिक पुलिस की गलती से। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर किसी का गलत चालान कट जाए, तो इसकी शिकायत कहां और कैसे करें?

अगर आपके वाहन का चालान गलती से कट गया है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से इसकी शिकायत कर सकते हैं और गलत जुर्माने से बच सकते हैं। आइए जानते हैं शिकायत करने की पूरी प्रक्रिया।

ऑनलाइन शिकायत कैसे करें?

अगर आप घर बैठे अपना गलत चालान रद्द करवाना चाहते हैं, तो सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

1. सबसे पहले morth.nic.in पर जाएं।
2. वहां ₹शिकायत₹ (Grievance) विकल्प पर क्लिक करें।
3. अब अपनी जानकारी जैसे नाम, मोबाइल नंबर और चालान नंबर भरें।
4. सभी विवरण भरने के बाद शिकायत सबमिट करें।
5. अगर आपकी शिकायत सही पाई जाती है, तो चालान रद्द किया जा सकता है।

ऑफलाइन शिकायत कैसे करें?

अगर आप ऑनलाइन शिकायत दर्ज नहीं करना चाहते, तो ट्रैफिक पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन नंबर की मदद ले सकते हैं। इसके लिए आपको अपने नजदीकी ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत दर्ज कराना होगा। आप अपने क्षेत्र की ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अगर आप दिल्ली में रहते हैं, तो अपनी शिकायत info@delhitrafficpolice.nic.in पर ईमेल कर सकते हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के कंट्रोल रूम नंबर 11-2584-4444 या 1095 पर कॉल करके भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

कब ब्लैक लिस्ट हो सकता है फास्टैग, कितना रखना होगा मिनिमम बैलेंस? जानिए क्या है नया नियम

परिवहन विशेष न्यूज

NPCI ने 28 जनवरी 2025 को एक सर्कुलर जारी किया था, जिसमें FASTag से जुड़े अहम बदलाव किए गए हैं। आइए जानते हैं नए नियमों के बारे में और यह भी समझते हैं कि कब आपका FASTag ब्लैकलिस्ट हो सकता है।

अगर आप भी हाईवे पर सफर करते हैं और टोल प्लाजा पर FASTag का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए यह खबर बेहद जरूरी है। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने FASTag को लेकर नए नियम लागू कर दिए हैं, जो 17 फरवरी 2025 से प्रभावी हो गए हैं। इन नियमों का मकसद टोल वसूली को आसान बनाना और ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखना है। आइए जानते हैं नए नियमों के बारे में और यह भी समझते हैं कि कब आपका FASTag ब्लैकलिस्ट हो सकता है।

नए नियमों के तहत क्या बदला?

NPCI ने 28 जनवरी 2025 को एक सर्कुलर जारी किया था, जिसमें FASTag से जुड़े अहम बदलाव किए गए हैं। नए नियमों के मुताबिक, अगर आपका FASTag ब्लैकलिस्ट हो जाता है और आप टोल प्लाजा पर पहुंचने के बाद उसे रिचार्ज करते हैं, तो वह तुरंत एक्टिव नहीं होगा। टोल प्लाजा पर खड़े होकर रिचार्ज कराने से भी आपको कोई मदद नहीं मिलेगी और आपको फाइन के रूप में दोगुना टोल भरना पड़ सकता है।

अब, अगर आपको ब्लैकलिस्टिंग से बचना है, तो आपको FASTag रीड होने से 60 मिनट पहले या फिर रीड होने के 10 मिनट के भीतर रिचार्ज करना होगा। अगर आप इस विंडो में रिचार्ज कर लेते हैं, तो आपसे दोगुना चार्ज नहीं लिया जाएगा।

FASTag ब्लैकलिस्ट होने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं। अगर समय रहते आप इन चीजों का ध्यान नहीं रखते हैं, तो आपको सफर के दौरान दिक्कत हो सकती है। आइए जानते हैं किन कारणों से आपका FASTag ब्लैकलिस्ट हो सकता है:

1. FASTag वॉलेट में कम बैलेंस होने पर।
2. बार-बार टोल शुल्क का भुगतान न करने पर।
3. पेमेंट फेल होने की स्थिति में।
4. KYC अपडेट न होने पर।
5. गाड़ी के चेसिस नंबर और रजिस्ट्रेशन नंबर में गड़बड़ी होने पर।

कितना रखना होगा मिनिमम बैलेंस?

What Minimum Balance Should Be Kept In FasTag How Fastag is Blacklisted

NHAI ने FASTag वॉलेट में न्यूनतम बैलेंस रखने के नियम को हटा दिया है, लेकिन सफर के दौरान परेशानी से बचने के लिए आपको कम-से-कम 100 रुपये का बैलेंस जरूर रखना चाहिए। इससे न सिर्फ आपकी यात्रा सुगम होगी, बल्कि ब्लैकलिस्टिंग जैसी परेशानियों से भी बच सकेंगे।

ब्लैकलिस्टिंग से बचने के लिए क्या करें?

1. FASTag अकाउंट में कम से कम 100 रुपये का बैलेंस जरूर रखें।
2. बैंक से आने वाले मैसेज और नोटिफिकेशन पर ध्यान दें।
3. MyFastag एप इंस्टॉल करें और अपने फास्टैग स्टेटस को रेगुलर चेक करें।
4. फास्टैग से जुड़े मोबाइल नंबर को हमेशा एक्टिव रखें।

टोल भुगतान में कोई गड़बड़ी हो तो तुरंत संबंधित बैंक से संपर्क करें।

5. चेक करें कि फास्टैग कहीं कटा-फटा न हो।

शानदार सफलता का स्किल है प्रोजेक्ट मैनेजमेंट

विजय गर्ग

पहले, किसी योजना को अंजाम देने के लिए अलग-अलग विभाग काम करते थे, जिससे काम में उलझनें और देरी होती थी। अब प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर एक व्यक्ति योजना से जुड़े सभी लोगों को साथ लेकर चलता है, प्लान बनाता है, संसाधन इकट्ठा करता है, और ये देखता है कि सब कुछ ठीक से हो रहा है या नहीं टीम बनाना, फाइनेंस की व्यवस्था और बजटिंग, जरूरी बदलाव और क्वालिटी का ध्यान रखना भी उसकी जिम्मेदारी होती है।

तेज औद्योगिक विकास के इस दौर में विभिन्न उद्योगों में नई परियोजना की शुरुआत होना नई बात नहीं है नया है वर्तमान में ऐसे नए प्रोजेक्ट्स की बहुतायत और इन्हें पूरा करने का तरीका। अब अधिकत्तर कंपनियां अपनी परियोजनाओं के लिए प्रोजेक्ट मैनेजरों की मदद लेती हैं। इसी के चलते प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के स्किल का काम भी खूब बना है। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट कहती है कि आने वाले 2030 तक कंपनियों को प्रति वर्ष 20 लाख प्रोजेक्ट मैनेजरों को नियुक्त करने की जरूरत होगी। वहीं फोब्र्स पत्रिका के एक लेख के अनुसार व्यापारिक प्रतियोगिता और तेज विकास के इस दौर में विविध उद्योगों में वैश्विक स्तर पर लगभग 2.5 करोड़ प्रोजेक्ट मैनेजर चाहिए होगे आने वाले कुछ वर्षों में। इसी संदर्भ में एंडरसन एनालिसिस ग्रुप की एक टैलेंट गैप एनालिसिस के अनुसार वैश्विक स्तर पर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में रोजगार के कुल 75 फीसदी का प्रतिनिधित्व भारत और चीन करेंगे। कहने की जरूरत नहीं कि प्रोजेक्ट मैनेजमेंट का क्षेत्र आपको एक अच्छा भविष्य देने में पूरी तरह सक्षम है। यहां एंट्री लेवल पर भी सालाना 9 लाख से ज्यादा सैलरी मिल सकती है। वहीं 5 साल के अनुभव के बाद आपको 18 लाख रुपये प्रति वर्ष तक का वेतन मिल सकता है। देश-विदेश में नेटवर्किंग के मौके भी मिलते हैं।

क्या होता है काम

पहले, किसी योजना को अंजाम देने के लिए अलग- अलग विभाग काम करते थे, जिससे काम में उलझनें और देरी होती थी। अब प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर एक व्यक्ति योजना से जुड़े सभी लोगों को साथ लेकर चलता है, प्लान बनाता है, संसाधन इकट्ठा करता है, और ये देखता है कि सब कुछ ठीक से हो रहा है या नहीं टीम बनाना, फाइनेंस की व्यवस्था और बजटिंग, जरूरी बदलाव और क्वालिटी का ध्यान रखना भी उसकी जिम्मेदारी होती है।

क्या हो रोडमैप

बिजनेस, इंजीनियरिंग, आईटी या संबंधित क्षेत्र में बैचलर्स डिग्री लें। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल (PMP) सर्टिफिकेशन करें। इंटर्नशिप करें लीडरशिप और कम्यूनिकेशन स्किल्स बेहतर करें। दूसरे प्रोजेक्ट मैनेजर्स और एम्प्लॉयर्स से संपर्क बनाएं ऑनलाइन प्लेटफॉम्र्स और सोशल मीडिया से प्रोफेशनल नेटवर्क बढ़ाएं।

तकनीकी स्किलसेट

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट अप्रोच (जैसे एजाइल, वाटरफॉल) और टूल्स (जैसे MS Project, Jira, Trello) की समझ होनी चाहिए। फोर्ब्स के एक लेख की मानें, तो एजाइल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में दक्षता आपकी आय क्षमता को 47 फीसदी बढ़ा देंगे। इसके लिए Coursera और Skillsoft अच्छे मंच है। वहीं बिजनेस एनालिसिस का स्किल इसमें अहम होता है और उनकी आय में 43 फीसदी तक बढ़ोतरी कर सकता है। रिस्क मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के सर्टिफिकेशन भी मदद करेंगे। ये वैश्विक स्तर पर मान्यताप्राप्त हैं।

कितने तरह के अवसर

सरकारी और निजी, दोनों सेक्टर में मौके मिलते हैं। आईटी सेक्टर में ये भूमिका सबसे ज्यादा है। आईटी प्रोजेक्ट मैनेजर ये सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, सिस्टम अपग्रेड और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स देखते हैं। आईटी, इन्फॉर्मेशन साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के बैचलर्स के लिए। कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजर आर्किटेक्चर, सिविल इंजीनियरिंग आदि से संबंधित डिग्री के युवाओं के लिए। ये बड़े स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर रिहायशी प्रोजेक्ट्स तक पर काम करते हैं।। हेल्थकेयर प्रोजेक्ट मैनेजर्सः इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड सिस्टम, हेल्थ केयर फैसिलिटी निर्माण या नई तकनीक के प्रोजेक्ट पर काम करना होगा। हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री काम आएगी। इसी तरह मार्केटिंग प्रोजेक्ट मैनेजर, रिटेल और कंज्यूमर गुड्स प्रोजेक्ट मैनेजर भी होते हैं।

काम के शुरुआती सर्टिफिकेशन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल (PMP)

सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण और मान्यताप्राप्त सर्टिफाइड असोसिएट ऑफ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट (CAPM)

सर्टिफाइड प्रोजेक्ट मैनेजर (CPM)

एजाइल सर्टिफाइड प्रैक्टिशनर (ACP)

कॉम्पिटया प्रोजेक्ट

कुछ काम के कोर्स ऑपरेशनल रिस्क मॉडलिंग, अकाउंटिंग फंडामेंटल्स ट्रेनिंग कोर्स, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एसेंशियल

लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता कितनी जायज़?

— डॉ. सत्यवान सौरभ

लिव-इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10% मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाक़ी 90% मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी-प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज़ करते हैं उतनी ही तेज़ी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेज़ी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी-प्रेमिकाओं को लिव-इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति-पत्नी जैसा रहने का मौक़ा मिल जाता है और पति-पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज़्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण-पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में। रिश्ता टूटने के बाद अक्सर लड़कियाँ आत्महत्या जैसे क़दम उठा लिया करती हैं।

वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव-इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर प्रश्न उठाता है। भारतीय युवाओं की जीवन शैली में तेज़ी से बदलाव आ रहा है। इसके लिए ये आधुनिक संस्कृति को अपनाने में कोई भी झिझक महसूस नहीं करते और लिव इन रिलेशनशिप आधुनिक संस्कृति की ही एक शैली है। आजकल के युवा लिव इन रिलेशनशिप को वैवाहिक जीवन से बेहतर मानने लगे हैं। आज की पीढ़ी शादी और लिव इन रिलेशनशिप को एक जैसा ही मानती है। इनका मानना है कि शादी में समाज और क़ानून का हस्तक्षेप होता है किन्तु लिव इन रिलेशनशिप में ऐसा कुछ भी नहीं होता है। बल्कि पूरी आज़ादी होती है। लेकिन शादी और लिव इन रिलेशनशिप में अंतर है। ये प्रथा जितनी आसान लगती है उतनी ही पेचीदा है। जितने इसके फ़ायदे हैं उससे कहीं ज़्यादा नुक़सान हैं। इस तरह के सम्बंध प्रायः पश्चिमी देशों में बहुतायत में देखने मिलते हैं। क्योंकि वहाँ की संस्कृति इस प्रथा को सहज ही स्वीकार करती है। वहाँ की लाइफ़स्टाइल भी कुछ इसी तरह की है। भारत में भी कुछ वर्षों से इस व्यवस्था को सपोर्ट मिला है। जिसके पीछे महानगरों में बसने वाले कुछ लोगों के बदलते सामाजिक विचार, विवाह की समस्या और धर्म से जुड़े मामलों का होना माना जा सकता है। समाज का एक वर्ग इसे भारतीय संस्कृति के लिए सबसे बड़ा ख़तरा मानता है। तो वहीं दूसरा वर्ग इसे आधुनिक परंपरा में बदलाव के रूप में देखते हुए स्वतन्त्र जीवन जीने के लिए वरदान मानता है। हर चीज़ के अपने-अपने फायदे और नुक़सान होते हैं।

हाल ही में अधिनियमित उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) ने लिव-इन पार्टनरशिप के लिए व्यापक विनियमों की एक श्रृंखला स्थापित की, जिसका लक्ष्य उन्हें विनियमित करना और उनकी कानूनी मान्यता की गारंटी देना है। लेकिन इनसे काफ़ी चर्चा भी हुई है और सरकारी निगरानी तथा गोपनीयता को लेकर चिंताएँ भी पैदा हुई हैं। पिछले 20 वर्षों में, लिव-इन रिलेशनशिप-जिसमें जोड़े बिना शादी किए एक साथ रहते हैं-भारतीय समाज और कानून में अधिक स्वीकार्य हो गए हैं। अतीत में भारतीय समाज पारंपरिक मूल्यों पर आधारित था और प्रतिबद्ध रिश्ते का एकमात्र स्वीकृत रूप विवाह था। लिव-इन पार्टनरशिप को अक्सर कलंकित माना जाता था तथा समाज द्वारा इसे नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता था। हालाँकि, वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव-इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद एस. ख़ुशबू बनाम) का उपयोग करते हुए, भारतीय अदालतों ने कई फैसलों में लिव-इन रिश्तों को मान्यता दी है। कन्नियाम्मल (2010) के अनुसार, लिव-इन पार्टनरशिप व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत आती है। सरमा, इंद्र वि। 3. के. वी. । सरमा (2013): इसने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 (पीडब्ल्यूडीवीए) के तहत विवाह जैसे दिखने वाले लिव-इन रिश्तों को मान्यता दी और उन्हें विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने रेखांकित किया है कि साथी चुनने और घनिष्ठ सम्बंध स्थापित करने की स्वतंत्रता संविधान के मुक्त भाषण और अभिव्यक्ति पर अनुच्छेद 19 (सी) के अंतर्गत आती है।

घरेलू हिंसा के विरुद्ध संरक्षण अधिनियम, 2005 (पीडब्ल्यूडीवीए) अपने दायरे में ₹विवाह की प्रकृति वाले सम्बंधों₹ को शामिल करके, लिव-इन सम्बंधों में घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं को संरक्षण प्रदान करता है। डी. वेलुसामी बनाम के सम्बंध में। न्यायालय ने डी. पचैअम्मल (2010) में फ़ैसला सुनाया कि केवल विवाह जैसे रिश्ते ही घरेलू हिंसा कानूनों के तहत कानूनी संरक्षण के लिए योग्य होंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने उन मामलों में व्यवस्था दी है जहाँ लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों को कानूनी रूप से विवाहित माता-पिता के समान उत्तराधिकार के अधिकार प्राप्त होंगे। उत्तराखंड यूसीसी के तहत लिव-इन पार्टनरशिप का पंजीकरण होना आवश्यक है। यह उत्तराखंड के निवासियों और भारत के बाहर रहने वाले लोगों दोनों पर लागू है। जो जोड़े एक साथ रहने का निर्णय लेते हैं, उन्हें अपने रिश्ते को यूसीसी के तहत शुरू और अंत में पंजीकृत कराना होगा। यदि वे औपचारिक रूप से अपने रिश्ते को स्थापित करना चाहते हैं, तो विवाह के लिए युगल की पात्रता की पुष्टि करने वाला धार्मिक नेता से प्राप्त प्रमाण पत्र, आधार से जुड़ा ओटीपी, तथा पंजीकरण शुल्क, सहायक दस्तावेजों के साथ आ सकते हैं। यूसीसी अधिनियम के तहत 74 प्रकार के सम्बंधों पर प्रतिबन्ध है, जिनमें से 37 पुरुषों के लिए तथा 37 महिलाओं के लिए हैं। धार्मिक नेताओं या सामुदायिक नेताओं को उन जोड़ों को अपनी स्वीकृति देनी चाहिए जो निषिद्ध सम्बंधों की इन श्रेणियों में आते हैं। यदि रजिस्ट्रार यह निर्धारित करते हैं कि सम्बंध सार्वजनिक नैतिकता या रीति-रिवाजों का उल्लंघन करता है तो वे पंजीकरण से इनकार कर सकते हैं।

प्राइवेसी कंसर्न (न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ) के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटीकृत गोपनीयता के अधिकार का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, साथ ही लोगों के निजी जीवन पर अधिक आधिकारिक निगरानी भी की जा रही है। नये नियमों से जातियों और धर्मों के बीच सम्बंधों में संभावित बाधाएँ उत्पन्न होने से चिंताएँ उत्पन्न हो गई हैं। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 और पीडब्ल्यूडीवीए, 2005, वर्तमान में लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को भरण-पोषण का अनुरोध करने की अनुमति देते हैं; हालाँकि, ये अधिकार अयोग्य नहीं हैं। कानूनी विवाद उन लोगों से उत्पन्न हो सकते हैं जो लंबे समय तक ऐसे रिश्तों के प्रति प्रतिबद्ध हुए बिना उनमें प्रवेश करते हैं, लेकिन बाद में अपने कानूनी अधिकारों का दावा करते हैं। विशेषकर रूढ़िवादी समुदायों में, यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर प्रश्न उठाता है। यद्यपि उत्तराखंड यूसीसी लिव-इन पार्टनरशिप को कानूनी संरक्षण और मान्यता प्रदान करना चाहता है, लेकिन यह गोपनीयता और सरकारी हस्तक्षेप के महत्त्वपूर्ण मुद्दे भी उठाता है। नए नियमों को इस तरह लागू करने के लिए कि सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिले और व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा हो, रिश्तों को नियंत्रित करने और व्यक्तिगत स्वायत्तता को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना आवश्यक होगा। यदि समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानूनों का स्थान ले ले, तो सहवास में महिलाओं की समानता की गारंटी पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

लिव-इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10% मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाक़ी 90% मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी-प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज़ करते हैं उतनी ही तेज़ी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेज़ी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी-प्रेमिकाओं को लिव-इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति-पत्नी जैसा रहने का मौक़ा मिल जाता है और पति-पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज़्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण-पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में। रिश्ता टूटने के बाद अक्सर लड़कियाँ आत्महत्या जैसे क़दम उठा लिया करती हैं।

अल्पावधि पाठ्यक्रमों में उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें

विजय गर्ग

आज के युग में नौकरी पाने के लिए बहुत प्रतिस्पर्धा है। हर विद्यार्थी को यह जरूर सोचना चाहिए कि वह कौन सा कोर्स या पढ़ाई करे जिससे उसे जल्दी अच्छी नौकरी मिल सके। इस उम्र में सबसे बड़ी कठिनाई होती है कोर्स का चयन करना। आइये बात करते हैं 'अल्पकालिक पाठ्यक्रमों' की, जिन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रम कहा जाता है। जैसा कि ज्ञात है, लघु-अवधि पाठ्यक्रम बहुत कम समय में पूरे हो जाते हैं। ये पाठ्यक्रम आमतौर पर तीन महीने से एक वर्ष तक चलते हैं। कई विश्वविद्यालय और कॉलेज ये पाठ्यक्रम संचालित करते हैं और कुछ निजी संस्थानों को भी सरकार द्वारा ऐसे पाठ्यक्रम संचालित करने की मंजूरी दी गई है। बिजनेस अकाउंटिंग और टैक्सेशनः कोई भी छात्र 12वीं कक्षा पास करने के बाद यह कोर्स कर सकता है। यह कोर्स मुख्य रूप से कॉमर्स से 12वीं पास करने वाले छात्रों के लिए फायदेमंद है। यह पाठ्यक्रम तीन महीने में पूरा किया जा सकता है। छोटे व्यवसायिक प्रतिष्ठान ऐसे छात्रों को अपने व्यवसाय के लेखा-जोखा के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट या अकाउंटेंट नियुक्त करने का अवसर देते हैं। कार्य में अनुभव प्राप्त करने के बाद वे अपने कार्य के आधार पर बड़े प्रतिष्ठानों में नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। जावा डेवलपर जावा एक ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड भाषा है, जो हमें विभिन्न कंप्यूटर/मोबाइल एप्लिकेशन बनाने की विशेषज्ञता प्रदान करती है। जावा प्रौद्योगिकी आधारित सॉफ्टवेयर लगभग हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर काम करता है। दुनिया भर में एक लोकप्रिय कंप्यूटर भाषा होने के नाते, 'जावा' नौकरियों में उच्च स्कोर पाने का अवसर प्रदान करती है। जो लोग इस भाषा को जानते हैं उन्हें अच्छा वेतन और नौकरी मिलती है। जावा डेवलपर कोर्स की अवधि तीन से छह महीने तक होती है। इस कोर्स को पूरा करने के बाद निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में नौकरी के अनेक अवसर मिलते हैं। बिजनेस विश्लेषक बिजनेस विश्लेषक का काम बिजनेस डेटा का विश्लेषण करना है। वे

वस्तुओं और सेवाओं आदि के संबंध में व्यवसायों के लिए प्रासंगिक डेटा प्रदान करते हैं। इस पद पर काम करने के लिए तीन से छह महीने का बिजनेस एनालिस्ट कोर्स उपलब्ध है। इस कोर्स को पूरा करने के बाद छात्र व्यावसायिक संगठनों में बिजनेस विश्लेषक के रूप में काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में उन्नति के अनेक अवसर हैं तथा योग्यता के अनुसार आय भी बढ़ती है। मशीन लर्निंग में सर्टिफिकेट कोर्स मशीन लर्निंग पाठ्यक्रम बहुत तेजी से उभर रहे हैं। इस कोर्स को पूरा करने के बाद किसी व्यावसायिक संगठन में नौकरी पाने वाला छात्र डेटा विज्ञान के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और कौशल के कारण अच्छा पद प्राप्त कर सकता है। इस पाठ्यक्रम की अवधि 6 माह है। कोई भी बारहवीं, स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री वाला छात्र ऐसा कर सकता है। वित्तीय नियोजक प्रमाणन पाठ्यक्रम यह पाठ्यक्रम उन सभी व्यक्तियों के लिए दुनिया का सर्वोत्तम प्रमाणन पाठ्यक्रम है जो शिक्षा मूल्यांकन, अभ्यास और नैतिकता के मानकों को पूरा करते हैं। एफपीसेठी इंडिया को वित्तीय योजनाकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीएफसी प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। सीएफसी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कोलकाता, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे और नई दिल्ली में उपलब्ध है। यह पाठ्यक्रम 6 महीने में पूरा होता है। इस कोर्स के बाद नौकरी के अच्छे अवसर भी उपलब्ध हैं। उपरोक्त पाठ्यक्रमों के अलावा कई अन्य पाठ्यक्रम भी हैं जिन्हें विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार 3 से 6 माह की अवधि में पूरा किया जा सकता है। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद छात्र अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं। इच्छानुसार चुन सकते हैं।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

मस्तिष्क में बढ़ रहे प्लास्टिक के सूक्ष्म कण

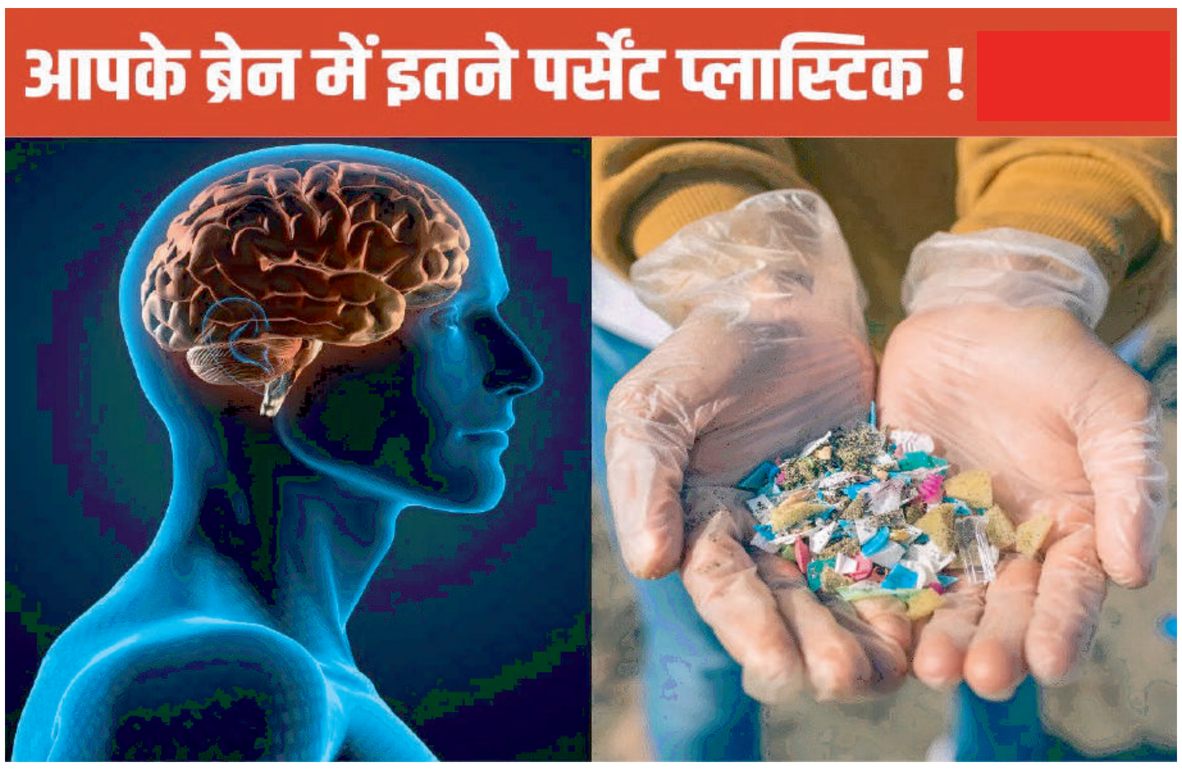

विजय गर्ग

इंसानी शरीर में बढ़ते प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों को लेकर वैज्ञानिकों ने नया खुलासा किया है। एक नए अध्ययन से पता चला है कि इंसानी दिमाग में प्लास्टिक के इन महीन कणों का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इससे मस्तिष्काघात और ट्यूमर का खतरा बढ़ता जा रहा है।

इंसानी शरीर में बढ़ता प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों का स्तर एक बड़े खतरे को उजागर करता है। शोध में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि गुर्दे और लीवर की तुलना में इंसानी मस्तिष्क में प्लास्टिक के कहीं अधिक महीन कण जमा हो रहे हैं। इस अध्ययन के नतीजे अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर मेडिसिन में प्रकाशित हुए हैं। इस अध्ययन में वर्ष 1997 से 2024 के बीच किए दर्जनों पोस्टमार्टम में मस्तिष्क के ऊतकों में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों में बढ़ती प्रवृत्ति देखी गई है। इतना ही नहीं, शोधकर्ताओं को लीवर और गुर्दे के नमूनों में भी प्लास्टिक के महीन कण मिले हैं।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने लीवर, गुर्दे और मस्तिष्क के नमूनों में प्लास्टिक के सूक्ष्म और नैनोकणों का अध्ययन करने के लिए नए तरीकों की मदद ली है। शोधकताओं ने अपने इस अध्ययन में मस्तिष्क के 52 नमूनों का विश्लेषण किया है। इस दौरान 2016 में 28 नमूनों का, जबकि 2024 में 24 नमूनों का विश्लेषण किया गया। लीवर और किडनी के जो नमूनों लिए गए थे उनमें प्लास्टिक का स्तर करीब-करीब समान था। हालांकि, मस्तिष्क के नमूने जो फ्रंटल कार्टेक्स हस्सेसि लिए गए थे उनमें प्लास्टिक का स्तर बेहद अधिक था।

विश्लेषण में यह भी सामने आया है कि 2024 के लीवर और मस्तिष्क के नमूनों में प्लास्टिक के महीन कणों का स्तर 2016 की तुलना में बहुत अधिक था। उन्होंने इन निष्कर्षों की तुलना 1997 से 2013 के बीच लिए मस्तिष्क के ऊत्तकों के नमूनों से भी की है और पाया है कि हाल के नमूनों में प्लास्टिक के कणों का स्तर कहीं अधिक है।

इसी तरह स्वस्थ लोगों की तुलना में डिमेंशिया से पीड़ित 12 लोगों के मस्तिष्क में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों की कहीं अधिक मौजूदगी का भी पता चला है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि डिमेंशिया से पीड़ित लोगों के मस्तिष्क के नमूनों में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों का स्तर छह गुना अधिक था। शोधकर्ताओं के मुताबिक डिमेंशिया से होने वाले नुकसान से इन कणों की संख्या बढ़ सकती है। हालांकि वे यह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि यह डिमेंशिया का कारण बनता है। गौरतलब है कि पिछले पांच दशकों में प्लास्टिक एक बड़े खतरे के रूप में उभरा है। यही वजह है कि ऊंचे पहाड़ों से लेकर गहरे समुद्र तक आज धरती की शायद ही ऐसी कोई जगह है, जहां प्लास्टिक की मौजूदगी न हों।

गौतम अडानी का समूह कितना देता है टैक्स? ये आंकड़े बता रहे हैं इकनॉमी में रोल

परिवहन विशेष न्यूज

अडानी समूह ने वित्त वर्ष 2023-24 में 58,104 करोड़ रुपये का टैव स चुकाया। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 25% अधिक है। पिछले साल 46,610 करोड़ रुपये का टैव स जमा किया गया था। अडानी समूह ने अपनी टैव स ट्रांसपैरेंसी रिपोर्ट भी जारी की है जिससे समूह की पारदर्शिता प्रदर्शित होती है।

नई दिल्ली। अडानी समूह ने वित्त वर्ष 2023-24 में 58,104 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाया है। यह इसके पिछले वित्त वर्ष की तुलना में ज्यादा है। वित्त वर्ष 2022-23 में समूह ने 46,610 करोड़ रुपये का टैक्स जमा किया था। इस जानकारी को रविवार को सार्वजनिक किया गया। इसमें सभी तरह के टैक्स शामिल हैं। जैसे, प्रत्यक्ष कर, अप्रत्यक्ष कर और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा का योगदान। समूह ने अपनी टैक्स ट्रांसपैरेंसी रिपोर्ट भी जारी की है। यह रिपोर्ट वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) के लिए है। समूह का कहना है कि वह भारत के सबसे बड़े करदाताओं में से एक है।

टैक स कॉन्ट्रिब्यूशन में बड़ा उछाल

अडानी समूह ने बताया कि उसने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में ज्यादा टैक्स चुकाया है। वित्त वर्ष 2022-23 में 46,610 करोड़ रुपये टैक्स चुकाया गया था। 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 58,104 करोड़ रुपये हो गया है। यह लगभग 25% की बढ़ोतरी है। इसमें सभी तरह के टैक्स शामिल हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय कर, शुल्क, अडानी पोर्टफोलियो कंपनियों की ओर से चुकाया गया टैक्स, अन्य हितधारकों की ओर से जमा किया गया अप्रत्यक्ष कर और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा का योगदान। ग्रुप ने यह भी बताया कि वह पूरी पारदर्शिता के साथ काम करता है। इसलिए उसने अपनी कर पारदर्शिता रिपोर्ट भी जारी की है। यह रिपोर्ट वित्त वर्ष 2023-24 के लिए है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में अडानी समूह का कुल टैक्स कॉन्ट्रिब्यूशन 58,104.4 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 46,610.2 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है।

सात ल स्टिेड कंपन यिों पर आधार ति हैं आंकड़े

यह रिपोर्ट सात सूचीबद्ध कंपनियों की ओर से प्रकाशित स्वतंत्र रिपोर्ट पर आधारित है। ये कंपनियां हैं- अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट्स। इसके अलावा, तीन अन्य सूचीबद्ध कंपनियों - एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज - की ओर से चुकाया गया टैक्स भी इस आंकड़े में शामिल है। ये तीनों कंपनियां भी अडानी समूह का हिस्सा हैं। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने इस बारे में अपनी राय भी दी। उन्होंने कहा, 'भारत के राजकोष में हम खुद को सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक मानते हैं कि हमारी जिम्मेदारी अनुपालन से कहीं बढ़कर है। यह ईमानदारी और जवाबदेही के साथ काम करने के बारे में भी है। हमारे देश के वित्त में हमारा हर एक रुपया पारदर्शिता और सुशासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'इन रिपोर्ट को स्वेच्छा से जनता के साथ साझा करके हमारा उद्देश्य हितधारकों का भरोसा बढ़ाना और जिम्मेदार कॉरपोरेट आचरण के लिए नए मानक स्थापित करना है।' इससे पता चलता है कि अडानी समूह न केवल अपना टैक्स चुकाने में, बल्कि पारदर्शिता बनाए रखने में भी विश्वास रखता है।

क्रिप्टो की दुनिया में एक और बड़ी चोरी, हैकर्स ने उड़ाए 13000 करोड़ रुपये के इथेरियम

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो यह खबर आपके लिए बहुत जरूरी है। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज Bybit से करीब 13 हजार करोड़ रुपये की डिजिटल करेंसी चोरी हो गई है। यह इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरियों में से एक है। इस चोरी को उत्तर कोरिया के लाजरस ग्रुप से जोड़ा जा रहा है।

नई दिल्ली: क्रिप्टो की दुनिया में एक बहुत बड़ी चोरी हुई है। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बायबिट (Bybit) से 1.5 अरब डॉलर (करीब 13 हजार करोड़ रुपये) की डिजिटल करेंसी गायब हो गई है। यह इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरियों में से एक है। इससे पहले भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज वजीरएक्स से भी दो हजार करोड़ रुपये की चोरी हुई थी।

कंपनी के CEO बेन झोउ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस चोरी के बारे में बताया है। उन्होंने बताया कि एक हैकर ने Bybit के एक ऑफलाइन इथेरियम (Ethereum) वॉलेट पर कब्जा कर लिया। इसके बाद कई ट्रांजेक्शन करके पैसों की चोरी की गई। बिटकॉइन के बाद इथेरियम दुनिया की दूसरी सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है।

बेन झोउ ने यह भी बताया कि Bybit के हॉट वॉलेट, वार्म वॉलेट और बाकी सभी ऑफलाइन वॉलेट सुरक्षित हैं। पैसे निकालने का काम भी सामान्य रूप से चल रहा है। Bybit एक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज है जिसके दुनिया भर में 60 मिलियन (6 करोड़) से ज्यादा यूजर्स हैं।

पाई नेटवर्क, लिब्रा टोकन... लॉन्च होते ही धड़ाम हुईं ये क्रिप्टोकरेंसी, दो दिन में आधी से ज्यादा गिर गई कीमत

दिवालिया होने का फैला डर

इस चोरी के बाद Bybit के यूजर्स घबरा गए। उन्हें लगा कि कहीं कंपनी दिवालिया तो नहीं हो जाएगी। इसलिए लोगों ने जल्दी-जल्दी अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। हालांकि, झोउ ने कहा, 'Bybit दिवालिया नहीं होगा। चाहे यह पैसा वापस मिले या नहीं। कस्टमर का पैसा सुरक्षित है। हम इस नुकसान की भरपाई कर सकते हैं।'

उत्तर कोरिया के हैकर्स पर शक

CNBC की एक रिपोर्ट के मुताबिक, Elliptic के विश्लेषकों ने इस हमले को उत्तर कोरिया के लाजरस ग्रुप से जोड़ा है। यह एक सरकारी हैकिंग ग्रुप है जो क्रिप्टोकरेंसी इंडस्ट्री से अरबों डॉलर चुराने के लिए बदनाम है।

भारतीय एक्सचेंज पर भी हुआ था अटैक

पिछले साल जुलाई में भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज WazirX पर सबसे बड़ा साइबर हमला हुआ था। इसमें 235 मिलियन डॉलर (करीब दो हजार करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ था। इस हमले का भी पता उत्तर कोरियाई हैकर्स तक लगा था। उस समय WazirX के को-फाउंडर निश्चल शेट्टी ने कहा था, 'हमें यकीन है कि यह (उत्तर कोरिया का) लाजरस ग्रुप हो सकता है।'

फरवरी में शेयर बाजार से निकले 23,710 करोड़ रुपये, पिछले महीने के मुकाबले संभली स्थिति

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (21 फरवरी तक) अबतक भारतीय शेयरों से 23,710 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

पिछले काफी समय से शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि, बाजार में लगातार हो रही गिरावट के पीछे की वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही पैसे के निकासी है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार से 23,710 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इस तरह 2025 में अबतक एफपीआई भारतीय शेयरों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाल चुके हैं।

पिछले महीने के मुकाबले इस महीने संभली स्थित

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (21 फरवरी तक) भारतीय शेयरों से 23,710 करोड़ रुपये निकाले हैं। जबकि पिछले जनवरी में उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। साल 2025 में अबतक एफपीआई 1,01,737 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। इतनी जबरदस्त बिकवाली के चलते निफ्टी ने भी चार प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

बॉन्ड बाजार से भी निकासी

समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से भी निकासी हुई है। उन्होंने बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 7,352 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 3,822 करोड़ रुपये निकाले हैं। कुल मिलाकर विदेशी निवेशकों सतर्क रुख अपना रहे हैं। एफपीआई का 2024 में भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर 427 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले 2023 में उन्होंने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये डाले थे, जबकि 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी।

ट्रंप की नीतियों ने डाला असर

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर जवाबी शुल्क के साथ-साथ इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर नए शुल्क लगाने पर विचार करने की रिपोर्ट के बाद बाजार की चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाक्रमों ने संभावित वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंकाओं को फिर से जगा दिया है, जिसने एफपीआई को भारत सहित उभरते बाजारों में अपने जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है।

बाजार का रुख- 'भारत में बेचो और चीन में खरीदो रुख'

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के विजयकुमार ने कहा कि ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद अमेरिका बाजार में शेष दुनिया से भारी पूंजी का प्रवाह हो रहा है। उन्होंने कहा, चूंकि चीन के शेयर सस्ते हैं ऐसे में 'भारत में बेचो और चीन में खरीदो' का रुख अभी जारी रह सकता है। विजयकुमार का मानना है कि भारत में एफपीआई निवेश का पुनरुद्धार तब होगा जब आर्थिक वृद्धि और कंपनियों की आय में सुधार होगा।

पीएम मोदी जारी करेंगे 19वीं किस्त, 10 करोड़ किसानों के अकाउंट में ट्रांसफर होंगे 22000 करोड़ रुपये

परिवहन विशेष न्यूज

पीएम किसान योजना की किस्त का किसानों का इंतजार खत्म होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल बिहार में होंगे। वह वहीं से इस योजना की 19वीं किस्त किसानों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करेंगे। इस योजना से किसानों को आर्थिक मदद मिलती है।

नई दिल्ली: 24 फरवरी को किसानों के बैंक अकाउंट में पैसे आने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान देश के करीब 10 करोड़ किसानों को 22 हजार करोड़ रुपये की रकम ट्रांसफर की जएगी। इनमें 2.41 करोड़ महिला किसान भी शामिल हैं। यह पैसा सीधे किसानों के बैंक अकाउंट में जाएगा।

पीएम मोदी कल बिहार के दौरे पर होंगे। वह बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इस योजना से किसानों को आर्थिक मदद मिलती है। यह योजना किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस योजना के तहत हर किसान के अकाउंट में दो हजार रुपये की रकम आती है।

कितनी संपत्ति की मालकिन हैं दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी? अब विधानसभा में होंगी विपक्ष की नेता, जानें कितना है कैश

क्या है पीएम किसान योजना?

इस योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना 6000 रुपये मिलते हैं। हर चार महीने में 2000 रुपये की किस्त उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की जाती है। पहले इस योजना का लाभ 9.60 करोड़ किसानों को मिलता था। अब लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 9.80 करोड़ हो गई है। 19वीं किस्त के साथ ही अब तक किसानों को कुल 3.68 लाख करोड़ रुपये मिल चुके होंगे। इस योजना की शुरुआत साल 2019 में हुई थी।

किसे मिलता है इस स्कीम का फायदा?

पीएम किसान सम्मान योजना का लाभ हर किसान को नहीं मिलता। इसके लिए कई शर्तों का पूरा करना जरूरी है। सबसे बड़ी शर्त सरकारी नौकरी का नहीं होना है। यानी किसान सरकारी नौकरी में नहीं होना चाहिए। साथ ही किसान कोई इनकम टैक्स न भरता हो। किसान के परिवार में अगर एक से ज्यादा लोग हैं तो इसका लाभ सिर्फ एक ही सदस्य को मिलेगा।

किसानों को कई तरह से मिलती है मदद

इस रकम का इस्तेमाल किसान अपने कई तरह के खर्च में कर सकते हैं। इससे किसानों को अपनी खेती से संबंधित उपकरण खरीदने में काफी मदद मिलती है। साथ ही वे उन्नत किस्म के बीज खरीद सकते हैं। इस रकम से किसान उर्वरक आदि भी खरीद सकते हैं। बता दें कि किसान सम्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी डीबीटी स्कीम है।

काम का हिसाब 48 घंटे में दीजिए, नहीं तो नौकरी से छुट्टी... मस्क ने सरकारी कर्मचारियों को दी चेतावनी

अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों की नौकरी खतरे में पड़ गई है। एलन मस्क ने लाखों कर्मचारियों को ईमेल भेजकर उनसे काम का हिसाब मांगा है। मस्क ने इसके लिए कर्मचारियों को 48 घंटे का समय दिया है। जो काम का हिसाब नहीं देगा, उसकी नौकरी से छुट्टी की जाएगी।

नई दिल्ली: अमेरिकी कारोबारी और DOGE डिपार्टमेंट प्रमुख एलन मस्क ने सरकारी कर्मचारियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कर्मचारियों से उनके काम का हिसाब-किताब मांगा है। इसके लिए उन्होंने दो दिन का समय दिया है। इस दौरान उन्हें बताना होगा कि उन्होंने पिछले हफ्ते क्या काम किया। हिसाब न देने वाले की नौकरी से छुट्टी कर दी जाएगी। DOGE का काम सरकारी खर्चे में कटौती करना है।

मस्क के आदेश के बाद लाखों संघीय कर्मचारियों के पास सिर्फ 48 घंटे हैं। उन्हें बताना है कि पिछले हफ्ते उन्होंने क्या काम किया। ये सब मस्क की उस मुहिम का हिस्सा है जिसमें वो सरकारी खर्च में कटौती करना चाहते हैं। मस्क इसे 'हर जगह बर्बादी' बताते हैं। मस्क ने हिसाब-किताब की जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की थी।

क्या लिखा है मस्क ने पोस्ट में?

मस्क ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशों के अनुसार सभी संघीय कर्मचारियों को जल्द ही एक ईमेल मिलेगा। इसमें उनसे पूछा जाएगा कि उन्होंने पिछले हफ्ते क्या काम किया।' उन्होंने आगे लिखा, 'जवाब ना देने को इस्तीफा माना जाएगा।'

इसके कुछ देर बाद ही कर्मचारियों को तीन लाइन का एक ईमेल मिला। इसमें लिखा था, 'कृपया इस ईमेल का जवाब देते हुए लगभग 5 बिंदुओं में बताएं कि आपने पिछले हफ्ते क्या काम किया। अपने मैनेजर को भी CC करें।' जवाब देने की आखिरी तारीख सोमवार रात 11:59 बजे है।

काफी कर्मचारियों को निकाला जा चुका है

ट्रंप प्रशासन के पहले महीने में ही हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। कुछ को बर्खास्त कर दिया गया है तो कुछ को रिटायरमेंट का प्रस्ताव दिया गया।

व्हाइट हाउस और मस्क का डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (DOGE) नए और पुराने, दोनों तरह के कर्मचारियों को निकाल रहा है। एजेंसी के प्रमुखों को बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की योजना बनाने और अरबों डॉलर के संघीय अनुदान को रोकने के लिए कहा गया है।

स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट मुहैया कराएं; अमेरिकी अरबपति से बांग्लादेशी सरकार की अपील

परिवहन विशेष न्यूज

बांग्लादेश की सरकार ने बेहतर इंटरनेट सेवाओं के लिए अमेरिकी अरबपति एलन मस्क को पत्र लिखा है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट मुहैया कराने की अपील करते हुए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने पत्र लिखा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अरबपति अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क को बांग्लादेश आने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने देश में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए अमेरिका के शीर्ष व्यवसायी और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मस्क को पत्र लिखा। 19 फरवरी को लिखे पत्र में यूनुस ने मस्क से कहा, उनकी बांग्लादेश यात्रा से उन्हें युवा बांग्लादेशी पुरुषों और महिलाओं से मिलने का मौका मिलेगा, जो इस अग्रणी तकनीक के मुख्य लाभार्थियों में से होंगे।

स्टारलिंक की कनेक्टिविटी से परिवर्तनकारी असर

उन्होंने बेहतर भविष्य के लिए अपने आपसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मस्क से मिलकर काम करने का आह्वान किया। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने रविवार को बताया, बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे में स्टारलिंक की कनेक्टिविटी से परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। इससे बांग्लादेश के उद्यमी युवाओं, ग्रामीण और कमजोर महिलाओं और दूरदराज और वंचित समुदायों को विशेष लाभ मिलेगा।

भारत ने पाकिस्तान से लिया 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हार का बदला

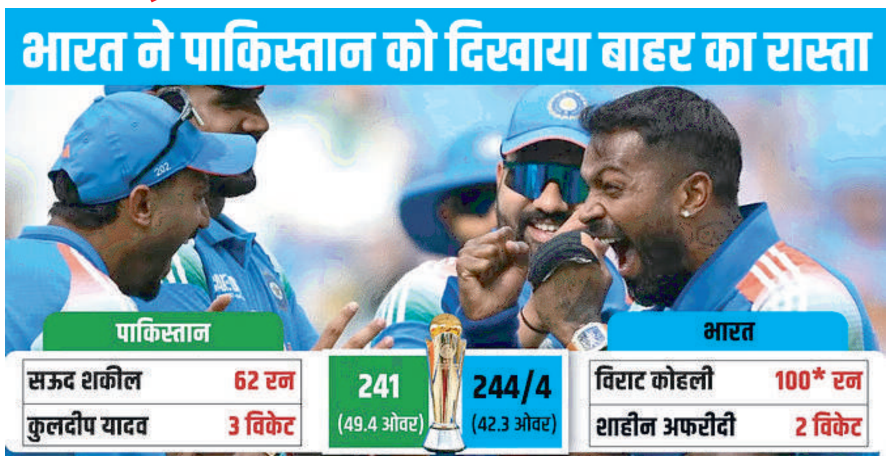

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में अब दो मैच जीत लिए हैं और सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। वहीं, पाकिस्तान की टीम लगभग चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गई है। उसे अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर सिमट गई थी। जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। विराट कोहली ने वनडे करियर का 51वां शतक लगाया। वह 111 गेंद 100 रन बनाकर नाबाद रहे। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान विराट को शतक नहीं बनाने देने की साजिश रच रहा है। शाहीन वाइड पर वाइड फेंक रहे थे। 43वें ओवर में भारत को जीत के लिए चार रन और कोहली को शतक के लिए पांच रन चाहिए थे। 43वें ओवर की पहली गेंद पर कोहली ने एक रन लिया। फिर अगली गेंद पर अक्षर ने एक रन लिया। तीसरी गेंद पर विराट ने चौका लगाकर शतक भी पूरा किया और भारत को जीत भी दिलाई।

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में अब दो मैच जीत लिए हैं और सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। वहीं, पाकिस्तान की टीम लगभग चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गई है। उसे अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। भारत के दो मैचों के बाद चार अंक हैं, जबकि पाकिस्तान दो मैचों में खाता नहीं खोल सका है।

भारत की पारी

242 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। रोहित आक्रामक खेलने की कोशिश में शाहीन अफरीदी की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। वह 15 गेंद पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी निभाई। गिल अर्धशतक से चूक गए। वह 52 गेंद में सात चौके की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अबरार अहमद ने क्लीन बोल्ड किया। इसके बाद कोहली के साथ भारत को जीत तक ले जाने की जिम्मेदारी श्रेयस अय्यर ने संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी निभाई। खुशदिल शाह ने श्रेयस अय्यर को इमाम के हाथों कैच कराया। वह 67 गेंद पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कोहली ने अक्षर के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

पाकिस्तान की पारी

इससे पहले पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर ऑलआउट हो गई थी। भारत ने वनडे में लगातार पांचवें मैच में विपक्षी टीम को 50 ओवर के अंदर ऑलआउट किया है। भारत की ओर से कुलदीप ने सबसे ज्यादा तीन और हार्दिक पांड्या ने दो विकेट झटके। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को बाबर आजम और इमाम उल हक ने सधी हुई शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 41 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को हार्दिक पांड्या ने तोड़ा। उन्होंने बाबर को विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। वह 26 गेंद पर पांच चौके की मदद से 23 रन बना सके। इसके अगले ही ओवर में इमाम उल हक भी रन आउट हो गए। वह 26 गेंद में 10 रन बना सके। 47 रन पर दो विकेट गिर जाने के बाद सऊद शकील और कप्तान मोहम्मद रिजवान ने पारी संभाली।

दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी हुई। इस बीच शकील ने वनडे करियर का चौथा अर्धशतक लगाया। इस साझेदारी को अक्षर पटेल ने तोड़ा। उन्होंने रिजवान को क्लीन बोल्ड किया। वह 77 गेंद में तीन चौके की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही फिर से विकेट की झड़ी लग गई। शकील भी 76 गेंद में पांच चौके की मदद से 62 रन बनाकर हार्दिक पांड्या का शिकार बने। तैयब ताहिर चार रन और सलमान अली आगा 19 रन बनाकर आउट हुए। सलमान को कुलदीप और तैयब को जडेजा ने पवेलियन भेजा। शाहीन अफरीदी खाता नहीं खोल सके। नसीम शाह 14 रन और हारिस रऊफ आठ रन बनाकर आउट हुए। हर्षित राणा ने खुशदिल शाह को कोहली के हाथों कैच कराया और पाकिस्तान की पारी समेट दी। खुशदिल ने 39 गेंद में दो छक्के की मदद से 38 रन की पारी खेली। कुलदीप और हार्दिक के अलावा हर्षित राणा, अक्षर और जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

बालेशोर सोरो में रेलगाड़ी पटरी से उतर गई। तभी ट्रेन एक बिजली के खंभे से टकरा गई

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : फिर बालासोर में रेल दुर्घटना। ट्रेन सोरो थाना सबिरा रेलवे स्टेशन से थोड़ी ही दूरी पर बेल्साबिरा के पास पटरी से उतर गई। जब नए ट्रैक पर काम चल रहा था, तभी ट्रेन पटरी से उतर गई और किनारे पर लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हालांकि, अभी तक इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है।इसी तरह कुछ दिन पहले एक और बड़ी रेल दुर्घटना हुई थी। प्रयागराज से कानपुर जा रही कोयला लदी ट्रेन एक अन्य मालगाड़ी से टकरा गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब मालगाड़ी लाल सिग्नल पर खड़ी थी, तभी पीछे से एक अन्य ट्रेन आई और उससे टकरा गई। हालांकि, दुर्घटना के समय मालगाड़ी के गार्ड सोनू बर्मा ने गाड़ी में कूदकर अपनी जान बचा ली, लेकिन वह घायल हो गया।

विश्व हिंदू परिषद की दो दिवसीय कार्यकारी समिति की बैठक का उद्घाटन

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : विश्व हिंदू परिषद की दो दिवसीय (22-23/फरवरी/2025) कार्यकारी समिति की बैठक का उद्घाटन आज सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, स्थानीय इकाई-3, भुवनेश्वर में हुआ। बैठक का उद्घाटन पूज्य स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती, भारतीय हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री माननीय डॉ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसंत कुमार रथ थे, जबकि कार्यक्रम का उद्घाटन बीएचपी ओडिशा (पूर्व) राज्य अध्यक्ष प्रोफेसर प्रफुल्ल मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष माननीय पृथ्वी कुमार स्वैन, बीएचपी ओडिशा (पूर्व) राज्य सचिव माननीय पंडित महेश साहू ने मुख्य दीप प्रज्वलित कर किया।

आज के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी ओडिशा (पूर्व) के राज्य सचिव माननीय पंडित महेश साहू थे। उनके भाषण में सामाजिक समरसता, धर्मांतरण से मुक्त समाज, सुधरे हुए युवा समाज का निर्माण, जन्म नियंत्रण की समस्या, वर्तमान समय में लिव-इन रिलेशनशिप के कारण समाज में होने वाली समस्याएं, हिंदू युवाओं के विवाह में देरी और हिंदू समाज की अन्य समस्याओं के साथ-साथ वर्तमान समस्याओं पर व्यापक चर्चा हुई। आज की बैठक में भाकियू उपाध्यक्ष शिशिर कुमार साहू, दुर्गा वाहिनी संयोजिका शिप्रा राउत, सह संयोजिका तुकुनी बारिक, मातृशक्ति क्षेत्र संयोजिका शगाही जेना, मातृशक्ति सह संयोजिका प्रणति साहू, सह संपादक उमाशंकर आचार्य, अरुण कुमार पाढ़ी, शांतनु कुमार स्वाईं, कोषाध्यक्ष माननीय संजय कुमार अग्रवाल, बजरंग दल क्षेत्रीय सह-संयोजक पर्वत भूषण त्रिपाठी और शिव नेत्र खडंगा के साथ भाकियू ओडिशा (पूर्व) संगठन मंत्री माननीय सरत कुमार प्रधान, प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुर्सी का काला खेल, संगीत का उजला मेल [सत्ता की बिसात पर साज़िश, सुरों की धारा में सुकून]

ज़िंदगी मानो दो परस्पर विरोधी धाराओं का अखाड़ा है—एक ओर वह जो सत्ता की पिपासा में अपने कंठ को फाड़कर चीखता है, दूसरी ओर वह जो अपने सुरों की मल्हार से रूह को अमृतपान कराता है। राजनीति वह दलदल है, जहाँ साज़िशों की बेलें विषवृक्ष बनकर लहराती हैं, गठबंधनों का सौदा होता है, और अवसर मिलते ही विश्वसनीयता को तिलांजलि दे दी जाती है। इसके ठीक विपरीत, संगीत एक ऐसी निर्झरिणी है, जो लोभ-मोह की मर्यादाओं से परे, बिना किसी छल-प्रपंच के हृदयों को सुरों की अटूट डोर में बाँध देती है। न विश्वासघात, न छलावा—बस एक ऐसी रागिनी जो आत्मा को मधुर आलिंगन में भर लेती है। किंतु विधि का यह कटु सत्य है कि सत्ता का भूत जब किसी पर सवार होता है कि भाई-भाई की पीठ में छुरा घोंप देता है, जबकि सुरों का सच्चा साधक अपने शिष्य को स्वर-सिंधु में डुबोकर उसे अनंत ऊँचाइयों तक पहुँचा देता है।

राजनीति का असली मज़ा तो उसकी बेशर्मी में छुपा है। कल जो एक दरबार में चरणों में लोट रहे थे, आज दूसरे की चप्पलें चूमते नज़र आते हैं। कोई "बड़ा भाई" बनकर पीठ में खंजर मारता है, तो कोई मुलायम की चौखट छोड़कर मोदी के डेरे में ठुमके लगाता है। यहाँ न गुरु-शिष्य की मर्यादा, न कोई पवित्र रिश्ता—बस सौदेबाज़ी की सुई टनटनाती रहती है। मगर संगीत की दुनिया में ऐसा कहाँ? वहाँ उस्ताद चट्टान-सा अडिग खड़ा रहता है, और शागिर्द उसकी छाँव में पनपता-चमकता है। उस्ताद कोई ढोंगी बाबा नहीं, जो गले में तावीज़ टाँगे घूमे; वह तो सुरों का जादूगर है, जो ऐसी माला गूँथता है कि सीधे ऊपरवाले के दरबार में पहुँच जाए।

राजनीति का ढोल ऐसा बेसुरा कि मज़हब के नाम पर चिंगारियाँ भड़काए, और उसकी राख से अपनी गंदी दुकान चलाए। किसी शानदार निशानी को अपने हिसाब से रंग दो, किसी बुलंद छाया को ज़मीन में मिलाने की साज़िश रचो—ये सब इनके घटिया तमाशे हैं, बस भीड़ को ठगने का धंधा। मगर ज़रा संगीत की तरफ़ आँख उठाकर दिखाओ! किसी उस्ताद की शहनाई को मज़हब की तलवार से चीरो, किसी सितार की झंकार को हिंदू-मुसलमान की कसौटी पर कसो—है हिम्मत तो करो! तानसेन की रागिनियों में आग की लपटें सुलगाओ, रसखान की बाँसुरी छीनकर उसकी धुन को कुचल दो—सुरों का ज़ोर नहीं टूटेगा, तुम्हारी गर्दन की अकड़ ज़रूर धूल चाटेगी। आत्मा को अमर का ख़िताब दो, फिर रूह को जूतों तले रौंदने की गुस्ताख़ी करो—किसी रानी के जज़्बे को गंदे लफ़्ज़ों से तोलो, मगर मियाँ की तोड़ी की लय को तोड़ने का दुस्साहस करके दिखाओ!

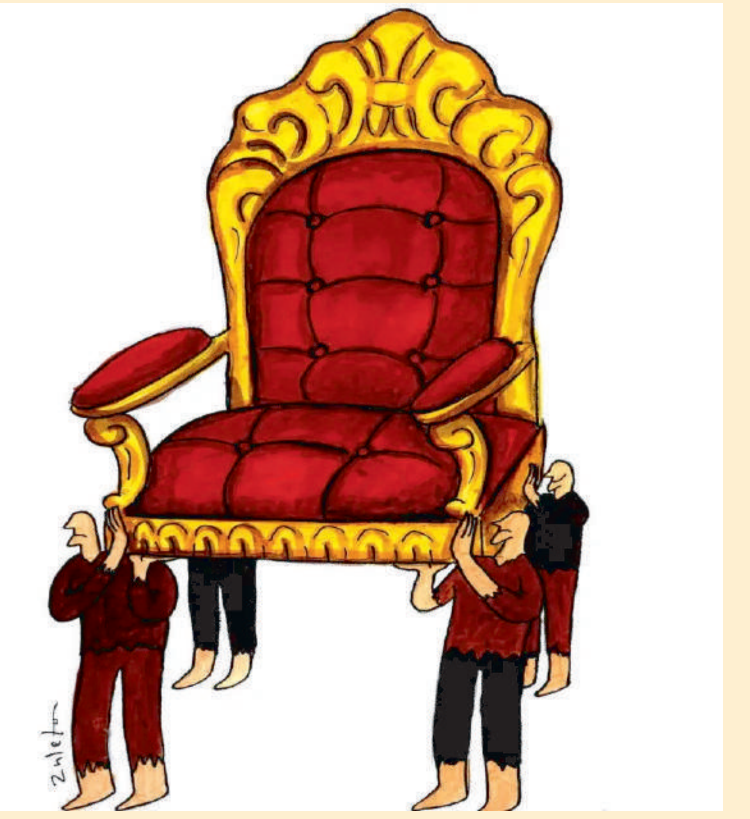

ये कुर्सी के दीवाने हरियाली को अपने झंडे की ओट में ढाँपते हैं, सुनहरे रंग को अपनी चादर में लपेटकर नचाते हैं। मगर इस खुले आसमान में ये रंग आज़ाद लहराते हैं, इन्हें कौन अपनी गंदी मुट्ठी में क़ैद कर लेगा? चाँद को अपने मज़हब का बंधक बनाने की ख़्वाहिश पालो, सूरज को अपनी खेती का ढोंगी नौकर बनाओ—मगर ये दोनों तो सबके साथी हैं। चाँद कभी ईद का हमनवाज़, कभी करवा चौथ का साक्षी; सूरज कभी संक्रांति का मेहमान, कभी गुरु का चमकता चेहरा—इनके सामने तुम्हारी सारी चालें बेमानी हैं, बस हवा में फुसफुसाती रह जाती हैं।

ज़िंदगी का असली मज़ा तो जुगलबंदी में छुपा है। कोई स्वर की मिठास बिखेरे या कोई गायक की गहराई से रूह को थामे—दोनों मिलकर दिल को लट्टू कर देते हैं। चाहे कोई पंडित तान छेड़े, चाहे कोई खान धुन उड़ाए—सुरों की दुनिया में ऊँच-नीच का झमेला कहाँ? सितार की तारें हों या तबले की थाप—जब साथ में गूँजते हैं, तो मुँह से बस "वाह-वाह" ही फूटता है। "रैना बीती जाए"—ये मियाँ की तोड़ी का ऐसा जादू है, जिसे कुर्सी का कोई पहलवान अपनी भैंस की ताकत से भी नहीं मिटा सकता।

सुबह की ताज़गी हो मियाँ की तोड़ी, या बारिश की बूँदों में मेघ मल्हार—ये ज़िंदगी के सुर हैं, जो रग-रग में बसते हैं। शिवरंजनी की चुलबुली शरारत हो या यमन की रूहानी सैर—हर साज़ में एक ही रंग समाता है। मालकौंस की धुन बजे, तो मन हरि के पीछे नाचने को बेकरार हो जाए। चाहे सरोद की गहरी आवाज़ हो, चाहे शहनाई की सीधी आत्मा तक की पुकार—सब एक ही राग में डूबते हैं, और वो है देस का राग। ये राग न कुर्सी की चापलूसी का गुलाम है, न वोटों की ठेकेदारी का भिखारी। ये तो बस यूँ ही बहता है, जैसे बादल बिना किसी रोक-टोक के बरसते हैं।

अब ज़रा राजनीति के ढोल को देखो—शोर मचाए, चिल्ल-पों करे, मगर सुर की एक लकीर भी न पकड़ सके। कुर्सी के नीचे से ज़मीन खिसक जाए, तो ये सारे बादशाह मुँह के बल धड़ाम से गिर पड़ते हैं। मगर संगीत? वो तो ज़मीन पर कदम जमाकर आसमान को भी सलाम ठोकने पर मजबूर कर देता है। एक तरफ़ कुर्सी का तमाशा, जहाँ मज़हब के नाम पर तलवारें लहराई जाती हैं; दूसरी तरफ़ सुरों का जहान, जहाँ दिलों के किवाड़ खुलते हैं। अब फैसला तुम्हारे हाथ—कुर्सी की कर्कश चीखों में कान फोड़ोगे, या सुरों के सुकून में गोते लगाओगे? क्योंकि जहाँ राजनीति की चिल्लाहट थम जाती है, वहाँ संगीत का आलाप गूँज उठता है—और वो कभी थमने का नाम नहीं लेता।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

साइबरशाला: सूरजकुंड मेले 2025 में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

सूरजकुंड मेला 2025 में इस बार विशेष रूप से साइबर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें साइबर ताऊ की पहल से लोगों को साइबर सुरक्षा की बुनियादी जानकारियाँ सरल और प्रभावी तरीके से दी गईं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता को साइबर अपराधों से बचाने के लिए जागरूक करना और उन्हें डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ प्रदान करना था।

साइबर ताऊ, जो कि साइबर सुरक्षा जागरूकता के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम बन चुका है, ने इस अभियान के तहत मेले में आने वाले लोगों को साइबर खतरों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, पर्सनल डेटा सुरक्षा और अन्य डिजिटल सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने और डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित करने के लिए सरल सुझाव दिए गए।

साइबर दोस्त: प्रशासन की नई पहल

इस बार की सबसे खास बात यह रही कि प्रशासन विभाग ने 'साइबर दोस्त' नामक एक नई पहल की शुरुआत की। इस पहल के तहत आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को बेहतर तरीके से समझाने और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। साइबर दोस्त, स्थानीय स्तर पर साइबर जागरूकता फैलाने में मदद करेंगे और अपने समुदाय में साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्कता बढ़ाने का कार्य करेंगे।

अभियान के दौरान साइबर विशेषज्ञों ने लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से दिखाया कि साइबर अपराधी किस तरह लोगों को जाल में फँसाते हैं और उनसे बचने के लिए क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए। इसके अलावा, कई इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया, जहाँ लोगों ने अपने सवाल पूछे और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों से उनके समाधान प्राप्त किए।

साइबर ताऊ द्वारा शुरू किए गए इस अभियान को प्रशासन के सहयोग से और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोग साइबर अपराधों से सतर्क रह सकें और डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहना सीख सकें।

– साइबरशाला रिपोर्ट

38th Surajkund International Crafts Mela

Cyber Shala Engage Educate Empower

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023